हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 289, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 13 अप्रैल, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

पीएम मोदी ने राजस्थान को दी वंदे भारत की सौगात

कहा- गहलोत जी के दोनों हाथ में लड्डू, रेलमंत्री भी राजस्थान के और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन भी

जयपुर। पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ समारोह को लाइव संबोधित करते हुए कहा, गहलोत जी का मैं विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूं, कि इन दिनों वो राजनीतिक आपाधापी में उनका अनेक संकटों से वो गुजर रहे हैं। उसके बावजूद भी विकास के काम के लिए समय निकालकर आए। रेलवे कार्यक्रम में आकर हिस्सा लिया। मैं उनका स्वागत भी करता हूं, अभिनंदन भी करता हूं। मैं गहलोत जी को कहना चाहता हूं, गहलोत जी आपके तो दो-दो हाथ में लड्डू हैं। रेलमंत्री भी आपके राजस्थान के हैं और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन भी राजस्थान के हैं, तो आपके तो दो-दो हाथ में लड्डू हैं। यह कहकर मोदी ने ठहाके लगाकर हंसी छोड़ दी। मोदी ने आगे कहा, जो काम आजादी के तुरंत बाद होना चाहिए था, अब तक नहीं हो पाया। लेकिन आपका मुझ पर इतना भरोसा है, इतना भरोसा है कि वो काम भी आज आपने मेरे सामने रखे हैं। आपका ये विश्वास यही मेरी मित्रता की अच्छी ताकत है और एक मित्र के नाते आप जो भरोसा रखते हैं, इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी और राजस्थान को फिर से मैं बधाई देता हूं।

'ये ट्रेन राजस्थान की टूरिज्म इंडस्ट्री को भी बहुत मदद करेगी'- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन की शुरूआत में कहा, राजस्थान के गवर्नर कलराज मिश्र, सीएम मेरे मित्र अशोक गहलोत, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, राजस्थान सरकार के मंत्री, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, सांसद, विधायकों, सभी महानुभवों और राजस्थान के प्यारे भाईयों और बहनों। मां भारती की वंदना करने वाली राजस्थान की इस धरती को आज पहली वंदे भारत ट्रेन मिल रही है। दिल्ली कैंट अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस से जयपुर-दिल्ली आना जाना और आसान हो जाएगा। ये ट्रेन राजस्थान की टूरिज्म इंडस्ट्री को भी बहुत मदद करेगी। तीर्थराज पुष्कर हो या फिर अजमेर शरीफ, आस्था के ऐसे महत्व के स्थलों तक पहुंचने में भी अब श्रद्धालुओं को ज्यादा आसानी होगी।

'एक वंदे भारत की यात्रा करने पर लोगों के करीब 2500 घंटे बचते हैं'- पीएम ने कहा, बीते दो महीनों में यह छठी वंदे भारत एक्सप्रेस है, जिसे हरी झंडी दिखाने का मुझे सौभाग्य मिला है। मुम्बई-शोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस, मुम्बई-शिरड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस, रानी कमलापति हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस, सिकंदराबाद-तिरूपति वंदे भारत एक्सप्रेस, चेन्नई-कोयम्बटूर वंदे भारत एक्सप्रेस और अब जयपुर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस आज शुरू हो रही है। जब से ये आधुनिक ट्रेने शुरू हुई हैं। जब से करीब 60 लाख लोग इन ट्रेनों में सफर कर चुके हैं। तेज रफ्तार वंदे भारत एक्सप्रेस की सबसे बड़ी विशेषता है, जो लोगों का समय बचा रही है। एक स्टडी है कि एक वंदे भारत की यात्रा करने पर लोगों के करीब 2500 घंटे बचते हैं। यात्रा में बचने वाले ये 2500 घंटे लोगों को अन्य कार्यों के लिए उपलब्ध हो रहे हैं। मेन्युफेक्चरिंग कौशल से लेकर सुरक्षा गारंटी तक, तेज रफ्तार से लेकर खूबसूरत डिजाइन तक वंदे भारत तमाम खूबियों से सम्पन्न है। यही सब खूबियों को देखते हुए आज देशभर में वंदे भारत ट्रेन का गौरव गान हो रहा है। वंदे भारत ने एक तरह से कई रेल की शुरूआत की है। वंदे भारत पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन है, जो मेड इन इंडिया है। वंदे भारत पहली ऐसी ट्रेन है जो कॉम्पैक्ट और एफिशिएंट है।

'आजादी के बाद रेलवे आधुनिकीकरण पर राजनीतिक स्वार्थ हावी रहा'- मोदी बोले, रेलों के विकास की यह यात्रा कल हमें विकसित भारत की यात्रा की ओर ले जाएगी। राजस्थान के लोगों को वंदे भारत ट्रेन के लिए मैं बहुत बहुत बधाई देता हूं। साथियों हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है कि रेलवे जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था जो सामान्य मानव के जीवन का इतना बड़ा हिस्सा है, उसे भी राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया था। आजादी के बाद भी भारत को एक बड़ा रेलवे नेटवर्क मिला था। लेकिन रेलवे के आधुनिकीकरण पर हमेशा राजनीतिक स्वार्थ हावी रहा। मोदी ने कहा, राजनीतिक स्वार्थ को देखकर तब ये तय किया जाता था कि कौन रेल मंत्री बनेगा, कौन नहीं बनेगा। राजनीतिक स्वार्थ ही तय करता था कि कौन सी ट्रेन किस स्टेशन पर चलेगी। राजनीतिक स्वार्थ ने ही बजट में ऐसी-ऐसी ट्रेनों की घोषणाएं करवाई, जो कभी चली ही नहीं। हालत ये थी कि रेलवे की भर्तियों में राजनीति होती थी। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था। हालत ये थी कि गरीब लोगों की जमीनें छीनकर उन्हें रेलवे में नौकरी का झांसा दिया गया। देश में मौजूद हजारों मानव रहित क्रॉसिंग को भी अपने ही हाल पर छोड़ दिया गया था। रेलवे की सुरक्षा, स्वच्छता, प्लेटफॉर्म की स्वच्छता सब कुछ नजर अंदाज कर दिया गया था।

'सारी परिस्थितियों में बदलाव 2014 के बाद से आना शुरू हुआ'- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इन सारी परिस्थितियों में बदलाव 2014 के बाद से आना शुरू हुआ है। जब देश के लोगों ने स्थिर सरकार बनवाई। जब देश के लोगों ने पूर्ण बहुमत वाली बीजेपी सरकार बनवाई। जब सरकार पर राजनीतिक सौदेबाजी का दबाव हटास तो रेलवे ने भी चैन की सांस ली और नई ऊंचाई पाने के लिए दौड़ पड़ी। आज हर भारतवासी भारतीय रेल का कायाकल्प होते देखकर गर्व से भरा हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने लालजी टंडन की प्रतिमा का किया अनावरण, बोले- उनकी यात्रा शून्य से शिखर की है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में महानता का मानक केवल नीचे से ऊपर जाना नहीं होता है। कोई व्यक्ति जब शून्य से शिखर की यात्रा को अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से प्राप्त करता है तो वह महानता के मानक तय करता है। लालजी टंडन की जीवन यात्रा शून्य से शिखर की है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ता, एक पार्षद, एक विधायक, एक सांसद और राज्यपाल के रूप में टंडन जी ने जीवनपर्यंत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की विकास की लाइन को आगे बढ़ाने का काम किया। सीएम योगी ने बुधवार को पूर्व राज्यपाल लाल जी टंडन की जयंती के अवसर पर काली चरण महाविद्यालय में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही महाविद्यालय में शताब्दी विस्तार भवन का नामकरण किया। अब भवन का नाम लालजी टंडन भवन हो गया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अहंकार टंडन जी को कभी छू नहीं पाया। एक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपनी जो राजनीतिक यात्रा प्रारम्भ की थी वही सज्जनता और सादगी जीवन पर्यंत उनमें दिखाई पड़ती रही। सीएम योगी ने कहा कि कालीचरण महाविद्यालय के साथ उनका लंबा जुड़ाव रहा है। लालजी टंडन ने यहां के भवनों को जिस रूप में बनाया है वह दर्शनीय है। उन्होंने कहा कि यह कैंपस आजादी के आंदोलन का साक्षी रहा है। इस संस्थान से मूर्धन्य साहित्यकार और वैज्ञानिक निकले हैं। हिंदी गद्य के प्रख्यात साहित्यकार श्याम सुंदर दास यहां के पहले प्राचार्य थे। अनेक साहित्यकार, समाजसेवी, वैज्ञानिक और राजनीतिज्ञों को जन्म देने का कार्य इस संस्थान ने किया है। सीएम योगी ने कहा कि समाज में परिवर्तन का माध्यम शिक्षा ही बन सकती है। इस क्षेत्र में हम जितना सहयोग करेंगे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उतना परिवर्तन दिखाई देगा। आज उत्तर प्रदेश में जो भी परिवर्तन आया है शिक्षा उसके मूल में है। सीएम योगी ने टंडन जी की स्मृतियों को नमन करते हुए प्रबंधन से अपील करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय का इतिहास 118 वर्ष पुराना है। सरकार की नई नीति से आप जुड़िए और यहां के सभी जर्जर भवनों को सुधारने में सरकार आपका सहयोग करेगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, सासंद कौशल किशोर, विधायक आशुतोष टंडन, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नीतीश कुमार के साथ बैठक के बाद बोले राहुल, 'विपक्षी दलों को साथ लेकर चलेंगे, एक साथ खड़े होंगे और लड़ेंगे'

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की बिसात अभी से बिछनी शुरू हो गई है। इसके अलावा विपक्षी दलों को एकजुट करने भी कोशिश हो रही है। इसी सिलसिले में बिहार के सीएम नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर हैं। नीतीश कुमार ने बुधवार दोपहर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है। नीतीश कुमार के साथ इस दौरान आरजेडी नेता और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। इस बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा, "विपक्ष को एकजुट करने के लिए ये ऐतिहासिक कदम है। विपक्ष का देश के लिए जो विजन है हम उसे विकसित करेंगे। जितनी भी विपक्षी पार्टी हमारे साथ चलेंगी, हम उन्हें साथ लेकर चलेंगे और लोकतंत्र और देश पर जो आक्रमण हो रहा है हम उसके खिलाफ एक साथ खड़े होंगे और लड़ेंगे।" वहीं, सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी अभी बात हो गई है। हमने काफी देर चर्चा की है। अधिक से अधिक पार्टियों को पूरे देश में एकजुट करने का प्रयास करना है। हम आगे एक साथ काम करेंगे ये तय हो गया है। गौरतलब है कि खरगे ने बीजेपी से मुकाबले के लिए समान विचारधारा वाले दलों के बीच एकता के लिए कई विपक्षी नेताओं से बातचीत की है। खरगे ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से संपर्क किया था। आने वाले दिनों में खरगे अन्य विपक्षी नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। बता दें कि नीतीश कुमार मंगलवार को दिल्ली पहुंचे थे। उन्होंने राजद प्रमुख लालू यादव से मुलाकात की। नीतीश ने उनके स्वास्थ्य का हालचाल भी लिया। सिंगापुर से किडनी प्रत्यारोपण और भारत लौटने के बाद नीतीश कुमार से उनकी पहली मुलाकात थी।

सुभासपा ने लखनऊ समेत पांच नगर निगम के मेयर पद के प्रत्याशी घोषित किए, घरेलू बिजली फ्री करने की बात कही

लखनऊ। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने लखनऊ सहित पांच नगर निगम के मेयर प्रत्याशियों की बुधवार को घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि पार्टी पहले चरण में 5 नगर निगम, 87 नगर पालिका और 117 नगर पंचायतों में चुनाव लड़ने जा रही है। लखनऊ से अलका पांडे, वाराणसी से आनंद तिवारी, प्रयागराज से उपेन्द्र निषाद, गाजियाबाद से दयाराम भार्गव और कानपुर से रमेश राजभर मेयर प्रत्याशी होंगे। राजभर ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में मुफ्त बिजली दी जा सकती है तो उसी तर्ज पर यूपी में भी घरेलू बिजली बिल माफ होना चाहिए। तेलंगाना की तर्ज पर यूपी में भी बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिले। उन्होंने जातीय जनगणना की मांग भी उठाई। राजभर ने कहा की पार्टी आधी आबादी के लिए लोकसभा, विधानसभा और नौकरियों में आधी सीटें आरक्षित करने की मांग करती है। इसके अलावा स्थानीय सड़क, पानी, बिजली और गृहकर आदि मुद्दों पर पार्टी चुनाव में जाएगी।

अखिलेश यादव ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवालः पूछा- माफियाओं की सूची क्यों जारी नहीं कर रही योगी सरकार

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में दलितों, पिछड़ों और गरीबों पर लगातार अत्याचार हो रहा है। हर तरफ अराजकता है। हत्या, लूट, चोरी और बलात्कार की घटनाएं बढ़ती जा रही है। बच्चियां और महिलाएं सुरक्षित नहीं है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में किसी को भी न्याय नही मिल रहा है। कहीं दबंग और अपराधी हत्याएं कर रहे हैं तो कहीं पुलिस निदोर्षों की पीटकर मार रही है। मानवाधिकार आयोग ने इसको लेकर सबसे ज्यादा नोटिस प्रदेश सरकार को भेजे हैं। भाजपा सरकार को कानून और संविधान की कोई परवाह नहीं है। सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाती है। भाजपा सरकार अपराध नियंत्रण में पूरी तरह से नाकाम है। समाजवादी पार्टी लगातार मांग कर रही है कि सरकार प्रदेश के टॉप टेन माफियाओं की सूची जारी करे, लेकिन सरकार सूची क्यों नहीं जारी कर रही है? समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को समाज सुधारक एवं विचारक महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती मनाई। पार्टी प्रदेश मुख्यालय में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ज्योतिबा राव फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि फुले सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने गरीबों, पिछड़े, दलितों और महिलाओं में जागरूकता लाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका पूरा जीवन कार्य और उनके विचार आज लोगों के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। महात्मा ज्योतिबा राव फुले ने स्त्रियों को शिक्षित करने के लिए विशेष कार्य किया था। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, अवधेश प्रसाद, जयशंकर पाण्डेय, पवन पाण्डेय, केके श्रीवास्तव, डा हरिश्चन्द्र आदि मौजूद रहे।

100 फुट गहरी खाई में गिरी ट्रैक्टर ट्रॉली, 3 श्रद्धालुओं की मौत व 11 घायल

होशियारपुर (पंजाब)। पंजाब के होशियारपुर जिले में शिवालिक की पहाड़ियों में बसे गांव गढ़ीमानसोवाल में बुधवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे एक ट्रैक्टर ट्राली समेत अनियंत्रित होकर करीब 100 फुट गहरी खाई में गिर गया। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं 11 घायल हैं। सभी को पास के निजी अस्पतालों में भर्ती करवाया गया। यह सभी श्रद्धालु के लुधियाना जिले के गांव बोदल के रहने वाले हैं। बैसाखी के अवसर पर श्री गुरु रविदास जी की तपोस्थली खुरालगढ़ साहिब में नतमसतक होने आए थे। सुबह करीब साढ़े पांच बजे गढ़ीमानसोवाल की पहाड़ी में अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में जसवीर सिंह उर्फ जस्सी (27), हैरी (15) और सादा बाबा (65) की मौके पर मौत हो गई। वहीं सुखदीप सिंह, पवनप्रीत सिंह, जोबनप्रीत सिंह, विजय कुमार, अवतार सिंह, संदीप सिंह, लवप्रीत सिंह, गुरसेवक सिंह, अर्श, वर्श और जीती घायल हुए हैं। इनमें सात लोगों को निजी अस्पतालों भर्ती कराया गया है। सुखदीप, पवनप्रीत सिंह, जोबनप्रीत सिंह, विजय कुमार को गढ़शंकर के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही श्री गुरु रविदास जी की तपोस्थली खुरालगढ़ साहिब के प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष भाई केवल सिंह, नरेश सिंह, सुखदेव सिंह, गुरमेज सिंह पुलिस चौकी प्रभारी लखबीर सिंह के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली के पीछे पानी का टैंकर और उसके पीछे जनरेटर बांध रखा था। जैसे ही ट्रैक्टर ट्रॉली पहाड़ी से नीचे उतरने लगी तो पीछे से पानी के टैंकर व जनरेटर का दबाव ट्रैक्टर पर पड़ा। इसी वजह से ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर 100 फुट गहरी खाई में जा गिरा। बताया जा रहा है कि यह रास्ता काफी खतरनाक है। कई बार इस रास्ते में हादसे हो चुके हैं।

बठिंडा मिलिट्री इलाके में अचानक हुई फायरिंग में 4 जवानों की मौत

प्रखर एजेंसी। बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में बुधवार सुबह फायरिंग की घटना में कम से कम चार जवानों की मौत हो गयी. बठिंडा मिलिट्री स्टेशन के अंदर सुबह करीब 04:35 बजे फायरिंग की घटना की सूचना मिली है. स्टेशन क्विक रिएक्शन टीमों को सक्रिय किया गया है. इलाके की घेराबंदी कर सील कर दिया गया. बठिंडा मिलिट्री स्टेशन सेना के दक्षिणी पश्चिमी कमांड के तहत आता है. दक्षिणी पश्चिमी कमांड की ओर से एक बयान जारी कर के कहा गया है कि बठिंडा मिलिट्री स्टेशन के अंदर बुधवार तड़के करीब 4.35 बजे फायरिंग की आवाजें सुनाई दीं. इस मामले में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने जानकारी दी. दक्षिणी पश्चिमी कमांड की ओर से बताया गया कि ये गोलियां चलने की आवाज थी. जारी बयान के मुताबिक इस वारदात में चार जवानों के हताहत होने की खबर है. सेना के दक्षिणी पश्चिमी कमांड ने जानकारी दी है कि स्टेशन क्विक रिएक्शन टीमों को सक्रिय कर दिया गया है. वारदात की जगह को सील कर लिया गया है. सर्च ऑपरेशन जारी है. फिलहाल घटना के कारणों की जानकारी नहीं मिल पायी है. यह भी पता नहीं चल पाया है फायरिंग करने वाला कोई एक आदमी था यह एक से अधिक लोगों ने फायरिंग की है. हालांकि सेना की ओर से साफ किया गया है कि यह आतंकी घटना नहीं है. सेना ने एक बयान जारी कर कहा है कि बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में फायरिंग की घटना के दौरान एक आर्टिलरी यूनिट के चार जवानों की गोली लगने से मौत हो गई. इनके अलावा किसी अन्य को कोई अन्य चोट या संपत्ति के नुकसान/क्षति की सूचना नहीं है. इलाके को सील कर दिया गया है. मामले के तथ्यों को स्थापित करने के लिए पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त जांच की जा रही है. दो दिन पहले गायब हुए 28 राउंड के साथ एक इंसास राइफल के शामिल होने के संभावित मामले सहित सभी पहलुओं का पता लगाया जा रहा है. पंजाब पुलिस ने बताया कि बठिंडा में आर्मी कैंट के सभी एंट्री गेट बंद कर दिए गए हैं. करीब दो दिन पहले 28 कारतूस वाली एक इंसास राइफल गायब हो गई थी. इस घटना के पीछे सेना के कुछ जवान हो सकते हैं. पता दें कि बठिंडा मिलिट्री स्टेशन एक प्रमुख मिलिट्री स्टेशन है. जहां बड़ी संख्या में सेना के जवान अपने परिवार के साथ रहते हैं. यह मिलिट्री स्टेशन सामरिक दृष्टि से भी काफी समृद्ध है. बुधवार तड़के हुए फायरिंग के मामले में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है. सेना के दक्षिणी पश्चिमी कमांड की ओर से कहा गया है कि जल्द ही इस मामले में अधिक जानकारी दी जायेगी।

पटना एयरपोर्ट पर बम की खबर से हड़कंप, बम निरोधक दस्ता पहुंचा, दहशत के बीच समस्तीपुर से युवक गिरफ्तार

पटना। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी का फोन काल मिलने के बाद हड़कम्प मच गया। बुधवार सुबह अचानक बम निरोधक दस्ता और पुलिस फोर्स की गाड़ियां पहुंची। पुलिस के जवानों ने एयरपोर्ट पर मोर्चा संभाल लिया। एयरपोर्ट पर अंदर से लेकर बाहर तक छानबीन शुरू कर दी। पूरे इलाके को खाली करा दिया गया है। तमाम सुरक्षा एजेसियां जांच में जुट गई। एयरपोर्ट पर अचानक से पुलिस फोर्स और बम निरोधक दस्ता की गतिविधियों को देख तमाम यात्री सहम गए।एयरपोर्ट के निदेशक ने बताया कि बम से उड़ाने की धमकी का काल टर्मिनल मैनेजर के पास आया था। आनन-फानन में बाम्ब स्क्वाड ने पूरे एयरपोर्ट की तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। वहीं, घटना के तत्काल बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित को समस्तीपुर से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से वह मोबाइल भी मिल गया है, जिससे धमकी का काल किया गया था। बता दें कि मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर गुवाहाटी की फ्लाइट से सफर करने जा रहे यात्री रवि कुमार के बैग में 0.32 बोर का कारतूस मिला था, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर हवाईअड्डा थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया। रवि वैशाली जिले के गरौल थानांतर्गत बखरी सुल्तान गांव के निवासी हैं। थानाध्यक्ष विनोद पीटर ने बताया कि उनके पास से लाइसेंस बरामद नहीं हुआ। हालांकि, रवि ने आर्म्स लाइसेंस होने की बात कही है। कागजात प्रस्तुत करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि रवि शाम की फ्लाइट से जाने वाले थे।

संपादकीय

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की 400 सीटों की रणनीति

भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति बना ली है। इसके लिए सुनियोजित रूप से लोकसभा की 400 सीटें जीतने का ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है। योजना के अनुसार परिणाम में परिवर्तित करने तथा धरातल में उतारने की तैयारी शुरू हो गई है। अभी से सारे देश में मानसिक रूप से चुनाव रणनीति के तहत प्रचार प्रसार सभी माध्यमों से शुरू कर दिया गया है। ताकि 400 के आसपास सीट जब भारतीय जनता पार्टी को मिले। तो लोग उस पर विश्वास कर लें। पिछले 9 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने के लिए मानसिक रूप से मतदाताओं को तैयार करने और विपक्षी दलों को हतोत्साहित करने के लिए सुनियोजित प्रबंधन का प्रयास करती है। भाजपा की रणनीति अभी तक सफल होती आई है। विश्वास दिलाने के लिए राज्यों के चुनाव में, नेरेटिव के विपरीत जाकर परिणाम सुनियोजित रणनीति के तहत लाए जाते हैं? ताकि लोगों का विश्वास ईवीएम मशीन और चुनाव आयोग पर बना रहे। पिछली बार कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा का चुनाव हार गई थी। दिल्ली, महाराष्ट्र एवं बिहार के चुनाव परिणाम अपवाद होते हैं। इसका फायदा लोकसभा चुनाव से होता है। कर्नाटक और मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव हारने के बाद भी सरकार बना ली। महाराष्ट्र में भी यही हुआ। राजस्थान और छत्तीसगढ़ बचे रहे, पंजाब में भाजपा के पास जीतने लायक स्थिति नहीं थी। वहां पर आम आदमी पार्टी की सरकार बन गई। ऐसे में ईवीएम की मशीन और चुनाव आयोग की निष्पक्षता बनी रहती है। विपक्षी शांत हो जाते हैं। लोकसभा चुनाव जीतने की मुख्य रणनीति यही होती है। भाजपा के चुनावी प्रबंधन में चुनाव हारने की स्थिति में भाजपा की कम से कम 25 साल तो नहीं होगी। ऐसा भाजपा के लोग खुद कहते हैं। 2024 का लोकसभा चुनाव सबका साथ और सबका विकास के नाम पर लड़ा जा रहा है।संघ और भाजपा के बड़े-बड़े नेता मुसलमानों और ईसाइयों को विश्वास दिला रहे हैं, कि वह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। आतंक के बाद सुरक्षा कवच मुसलमानों और ईसाइयों को पहनाकर सहानुभूती और विश्वास दिलाने का काम पिछले कई महीनों से भाजपा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईस्टर संडे पर दिल्ली के एक चर्च में पहुंचे। केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने केरल में बिशप से मुलाकात की। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पीके कृष्णदास भी शामिल थे। केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्रन ने आर्कबिशप मार रेमी गियस पाल से मुलाकात की। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का सबसे ज्यादा जोर ईसाई समुदाय पर केरल मे है। केरल के वायनाड से राहुल गांधी सांसद है। केरल से ईसाइयों के समर्थन का मैसेज सारे देश के ईसाइयों को भाजपा देना चाहती है। कर्नाटक में ईस्टर संडे के दिन चर्च में जाकर पादरियों से भेंट करने और प्रार्थना में शामिल होने का संदेश दिया गया है। ईसाई समुदाय भाजपा का समर्थन करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनकी सुरक्षा और बेहतरी के लिए काम करेगें। इसी तरह से मुसलमानों के बीच संघ के पदाधिकारी और भाजपा के पदाधिकारी लगातार संपर्क में हैं। उत्तर प्रदेश में 4 मुस्लिमों को एमएलसी बना दिया गया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने मुस्लिम मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पूरे देश में सूफी संवाद महा-अभियान चलाने का फैसला किया है। मुसलमानों के सबसे बड़े वर्ग पशमीना मुसलमानों को भारतीय जनता पार्टी ने अपना लक्ष्य बनाया है। इससे मुसलमानों का बंटने का सदेश चला गया। एक बड़े मुसलमान वर्ग का भाजपा से जुड़ने का संदेश भी चला गया। यह रणनीति इसके पहले 3 तलाक वाले मामले में भी अपनाई गई थी। उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव में रिकार्ड जीत मुस्लिम महिलाओं के समर्थन को भाजपा ने दिया।

हैं वो चतुर खिलाड़ी!

समझ न पाया कोई ।
कब क्या कुछ कह देंगे ?
हैं वो चतुर खिलाड़ी ।
खेल कर रहेंगे ।।
प्रतिक्रिया का हर दम ।
रहता कुछ आधार ।।
रहते शांत चित्त वो ।
लगते हैं उदार ।।
रहते लेते करवट ।
आती नहीं डकार ।।
रुक रुक कर लेकिन ।
होता चमत्कार ।।
हो कोई सरकार ।
रहते वो विशेष ।।
भिज्ञ है जनमानस ।
नहीं बचा कुछ शेष ।।

–कृष्णेन्द्र राय

राजस्थान में राज बदलेगा या रिवाज

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में सिर्फ सात महीने का समय रह गया है। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूत बना कर चुनावी व्यूह रचना बनाने में लग गए हैं। जहां सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मानना है कि उनकी लोक हितकारी योजनाओं से इस बार के चुनाव में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज बदल जाएगा। वहीं भाजपा सहित सभी विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि प्रदेश की जनता गहलोत सरकार को हटाकर राज बदलने को तैयार बैठी है। वोट पड़ेंगे तब राज बदल जाएगा।

राजस्थान में सबसे पहले आम आदमी पार्टी ने कोटा के नवीन पालीवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करना प्रारंभ कर दिया है। आप ने विधानसभा चुनाव का प्रभारी राज्यसभा सांसद व पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ संदीप पाठक को पहले ही नियुक्त कर रखा है। दिल्ली के द्वारका से विधायक विनय मिश्रा को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने दिल्ली, पंजाब और गुजरात के 7 विधायकों अमनदीप सिंह गोल्डी, नरेश यादव, चेतर वसावा, नरेंद्र पाल सिंह सवाना, हेमंत खावा, शिवचरण गोयल और मुकेश अहलावत को सह प्रभारी लगाया है। पार्टी कार्यकताओं को उत्साहित करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जयपुर में रोड शो करके एक जनसभा को भी संबोधित कर चुके हैं। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत ही खराब रहा था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे रामपाल जाट को 628 वोट ही मिल पाए थे। यही हाल अन्य प्रत्याशियों का रहा था। 2018 के चुनाव में आप को प्रदेश में 0.38 प्रतिशत वोट मिले थे। हालांकि अब पार्टी के नेता प्रदेश में अगली सरकार बनाने का दावा कर रहें है।

राजस्थान में मुख्य विपक्षी दल भाजपा भी विधानसभा चुनाव की तैयारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 1.22 प्रतिशत यानी एक लाख 77 हजार 699 वोट अधिक प्राप्त कर 79 सीट अधिक जीत ली थी। वही इतने वोटों के अंतर पर भाजपा की 90 सीटें कम हो गई थी। जिससे भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी। अपनी पिछले विधानसभा चुनावों की कमी को दूर करने के लिए भाजपा अभी से जुट गई है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा प्रदेश की राजनीति में सोशल इंजीनियरिंग के फामूर्ले पर काम कर रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण समाज के सीपी जोशी को नियुक्त किया गया है। सीपी जोशी चित्तौड़गढ़ से दूसरी बार लोकसभा सदस्य हैं। जयपुर में कुछ दिनों पूर्व ही ब्राह्मण समाज ने लाखों लागों को एकत्रित कर एक विशाल सम्मेलन का आयोजन कर किया था। जिसमें ब्राह्मण समाज ने प्रदेश की सभी पार्टियों से उनके समाज को सत्ता में अधिक भागीदारी देने की मांग की थी। उस सम्मेलन के कुछ दिनों बाद ही भाजपा ने सीपी जोशी की प्रदेश अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी कर दी। भाजपा ने राजपूत समाज के सातवीं बार विधायक बने राजेंद्र राठौड़ को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। जबकि प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए डॉक्टर सतीश पूनिया को विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष बना कर जाट समाज को भी खुश कर दिया गया है। सतीश पूनिया पहली बार आमेर से विधायक बने हैं। इसलिए उन्हें उपनेता का पद ही मिल पाया है। चर्चा है कि मीणा समाज के राज्यसभा सदस्य डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है। राजपूत समाज के गजेंद्र

सिंह शेखावत, यादव (अहीर) समाज के डॉक्टर भूपेंद्र यादव, ब्राह्मण समाज के अश्विनी वैष्णव केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। जाट समाज के कैलाश चौधरी, अनुसूचित जाति के अर्जुनराम मेघवाल केंद्र सरकार में राज्य मंत्री हैं। बनिया समाज के ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष हैं। वही गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है। झुंझुनू से सांसद, केंद्र सरकार में उप मंत्री व अजमेर जिले के किशनगढ़ से विधायक रहे जगदीप धनखड़ भी उपराष्ट्रपति पद पर हैं। गुर्जर समाज की अलका गुर्जर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव है। ओमप्रकाश माथुर केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे या उनके किसी समर्थक को भाजपा चुनाव अभियान समिति का संयोजक बनाया जा सकता है।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असादुदीन ओवैसी भी अपनी पार्टी का संगठन बनाने में लगे हुये हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का पूरा संगठन पार्टी अध्यक्ष व नागोर सांसद हनुमान बेनीवाल के इर्द गिर्द ही घूमता रहता है। बेनीवाल ने हाल ही में दिल्ली में अपनी पुत्री का जन्मदिन मनाया था। जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शामिल हुये थे। कार्यक्रम में सभी दलों के बड़े नेता आये थे। कांग्रेस की चुनावी कमान पूरी तरह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संभाल रखी है। इस बार उन्होंने लोक लुभावना बजट पेश कर प्रदेश के आम लोगों को कांग्रेस से जोड़ने का काम किया है। गहलोत लगातार प्रदेश में दौरे कर आम मतदाताओं से रूबरू हो रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी संगठन के काम में लगे हैं। उन्हें अध्यक्ष बने तीन साल होने वाले हैं। ऐसे में चर्चा चल रही है कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर सचिन पायलट या उनके किसी समर्थक नेता को नियुक्त किया जा सकता है। जिससे कांग्रेस की गुटबाजी समाप्त हो सकेगी। यदि प्रदेश अध्यक्ष बदला जाता है तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पूरा प्रयास रहेगा कि उनके समर्थक रघु शर्मा, महेश जोशी, महेंद्र चौधरी, नरेंद्र बुडानिया, लालचंद कटारिया में से किसी को अध्यक्ष बनाया जाए। ताकि चुनाव में उनके मन मुताबिक टिकटों का वितरण हो सके। मगर यदि कांग्रेस आलाकमान तय कर लेता है तो फिर सचिन पायलट या उनका कोई समर्थक अध्यक्ष बन सकता है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा मुख्यमंत्री गहलोत व सचिन पायलट में समझौता करवाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। कई अवसरों पर रंधावा ने खुलकर कहा भी है कि राजस्थान में सबसे बड़े नेता अशोक गहलोत है। इसलिए उन्हें ही सभी नाराज नेताओं के पास जाकर उनको मनाना चाहिये। कांग्रेस के 400 में से 367 ब्लॉक अध्यक्षों की तो नियुक्तियां हो चुकी है। मगर अधिकांश जिला अध्यक्षों के पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। इस कारण नीचे के स्तर पर संगठन पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पा रहा है। हालांकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हाल ही में 3 विधायकों अमित चाचान, इंद्राज सिंह गुर्जर, प्रशांत बैरवा सहित कुल 8 लोगों को पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया है। वही सात लोगों को मीडिया पैनलिस्ट और तीन लोगों को मीडिया कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। इससे लगता है कि कांग्रेस पार्टी का भी संगठन पर फोकस होने लगा है। कांग्रेस में 25 सितंबर 2022 की घटना में दोषी नेताओं पर अभी तक कार्यवाही नहीं होने से भी सचिन पायलट खासे नाराज बताये जा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान को अगले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए शीघ्रता से पार्टी संगठन व सरकार में जो भी परिवर्तन करने है उन्हें कर देने चाहिए। ताकि आगे सभी एकजुट होकर फिर से सरकार बनाने के लक्ष्य की तरफ बढ़ सके।

नफरती बोल - सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी व इशारों को समझें

देश में बढ़ती नफरत को लेकर सर्वोच्च अदालत की बार-बार की टिप्पणियाँ अपने में काफी अहम है। सुप्रीम कोर्ट की चिंता साफ-साफ टीवी डिबेट्स और दूसरे पब्लिक प्लेटफॉर्म के जरिए बेतुके और संवेदनशील मुद्दों पर असंवेदनशीलता की तरफ इशारा भी है। धार्मिक मामलों पर हो रही लगातार बयानबाजी से देश के माहौल पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर पहले भी अदालतों और पक्षकारों ने अपनी-अपनी तरह की चिन्ताएँ जाहिर की हैं। जिन बातों को रोकने का जिम्मा राज्यों का है उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट को चिन्ता करना चिन्तित करता है। सुप्रीम कोर्ट की गंभीरता और अमूमन दिखने वाली हकीकत भी यही है कि यदि राजनीति और धर्म को अलग कर दिया जाए तो नफरती बयानबाजी खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगी। हेट स्पीच को लेकर सुप्रीम कोर्ट के सख्त तेवर इतने तल्ख शायद ही कभी पहले दिखे हों। यकीनन राज्य का जिम्मा है कि जहाँ भी हेट स्पीच का मामला आए सख्ती से रोके तथा कार्रवाई करे। केवल एफआईआर तक सीमित नहीं रहे। लेकिन जो दिखता उससे लगता है कि नसीहतों के बाद भी कितना अमल हुआ और आगे हो पाएगा? जाहिर है वजह राजनीतिक लाभ और खास एजेण्डे हैं। लेकिन सच्चाई यही है कि ऐसी घटनाएँ रुक नहीं रही हैं। हाँ बरसों बरस से हो रही ऐसी अनदेखियां बाद में नासूर जरूर बन जाती हैं। इससे जान-माल के भारी भरकम नुकसान से लेकर समाज में विपरीत असर पड़ने के तमाम उदाहरण हैं जो अब तक गांठें बने हुए हैं। सच है कि भारतीय दंड संहिता में हेट स्पीच की कोई साफ परिभाषा नहीं है। इसको सही संदर्भ में परिभाषित करने के लिए अंग्रेजों के जमाने के कानूनों में सुधार, सुझाव हेतु केंद्रीय गृह मंत्रालय की आपराधिक कानूनों पर सुधार समिति की कोशिशें जारी हैं।

हमारे यहाँ जब-तब स्वार्थ या लाभ की राजनीति खातिर हेट स्पीच की घटनाओं से सामाजिक सामंजस्य बिगड़ना लगभग आम सा हो चुका है। भारतीय राजनीति में जातिवाद तथा धर्म एक बड़ा कारक है। हमेशा देखा जाता है कि राजनीतिक ध्रुवीकरण के चलते किसी विशेष समुदाय या जाति के तुष्टीकरण या निशाने के लिए ही अक्सर नफरती भाषा या हेट स्पीच या फिर ईशनिंदा कुछ भी कहें, की जाती है। सामान्यतः ईशनिंदा किसी धर्म या मजहब की आस्था का मजाक बनाना होता है। जिसमें धर्म प्रतीकों, चिह्नों, पवित्र वस्तुओं का अपमान करना, ईश्वर के सम्मान में कमीं या पवित्र या अदृश्य मानी जाने वाली किसी चीज के प्रति नफरती भाव या अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना होता है।

नाजायज गाजा, तमंचा व कारतूस संग दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों तथा तस्करी,अवैध असलहा व गो-तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी जमानियां व प्रभारी निरीक्षक जमानियां के कुशल निर्देशन में आज बुधवार को मुखबीर की सूचना पर अभियुक्तगण क्रमशः श्री नाथ बिन्द पुत्र राम ललित बिन्द निवासी ग्राम तियरी थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर, अमरनाथ बिन्द पुत्र रामचरन बिन्द निवासी ग्रा0 तियरी थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर को 550 ग्राम नाजायज गांजा, एक अदद देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व 01 अदद मोटर साइकिल के साथ खडइचा ग्राम सभा पुलियाँ फुफुआंव जाने वाली सड़क पर से गिरफ्तार कर उपरोक्त माल को बरामद किया गया।

नाम लिखा द पापा

पढला क अब उमर हो गईल चलिके नाम लिखा द पापा।बेटी बेटा में अंतर वाला सब अभिशाप मिटा द पापा।। हम बिटियन में कमी कवन बा,गिरल नजर से देखेला सब।बेटा भइला प खुशी मनावत, बिटिया भइला प फेंकेला सब।। जेकरा पर गुरूर करेला लोगवा आखिरकार भुला जाला।दिल में प्यार भरल बा केतना, गिरगिट रंग चिन्हा जाला।।जीवन क कवन? इलाका बाकी जहवां बिटिया क तूती ना बोलत। दया धर्म आ मानवता में सरस रस अमृत ना घोरत।।पढि लिखि लेईब त हमहूं पापा, तोहरो नाम जगाईब पापा। यश कीर्ति आ वैभव में हम चार चांद लगाईब पापा।।

अनुसुइया सीता साबित्री जईसन हमार रूप निहारा पापा। शिक्षा बा अनमोल रतन,मन से तनी बिचारा पापा।। ज्ञान के बिना कुआरथ जिनगी आपन प्यार लुटा द पापा। बेटी बेटा में अंतर नईखे ,मन क भरम मिटा द पापा। पढला क अब उमर हो गईल चलिके नाम लिखा द पापा।।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

वेतन न मिलने से अक्रोशित महाविद्यालय भुड़कुड़ा के शिक्षकों ने क्षेत्रीय उच्चशिक्षा आधिकारी वाराणसी को दिया ज्ञापन

प्रखर डेस्क। श्री म.रा.दा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय भुड़कुडा ,गाजीपुर में कार्यरत समस्त शिक्षकों एवम् शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का माह जनवरी, फरवरी तथा मार्च का वेतन अद्यतन प्राप्त नहीं हुआ है।महाविद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षक और कर्मचारी तीन माह से वेतन न पाने के कारण बेहाल हैं। बच्चों की फीस, घर के बीमार सदस्यों का दवा इलाज, कर्ज लेकर खरीदे गए भवन और वाहन की ईएमआई, आयकर की कटौती जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य वेतन के अभाव में बाधित हैं। शासन की मनसा के विरुद्ध सभी शिक्षकों एवम् कर्मचारियों का होली तथा रामनवमी जैसा महत्वपूर्ण पर्व बिना वेतन के ही बीत गया। आयकर दाता शिक्षकों/कर्मचारियों का वित्तीय वर्ष 2022-23 की समाप्ति से पूर्व वेतन से होने वाला आयकर का समायोजन भी अधूरा रह गया। तीन माह से वेतन न पाने के कारण शिक्षकों का धैर्य अब टूट रहा है। वेतन न मिलने की दशा में महाविद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षक एवम् कर्मचारी अपने आपको अकारण प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं। वेतन संबधी इस समस्या के निवारण हेतु वरिष्ठ शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल प्रो. शिवानन्द पाण्डेय, प्रो. रमेश कुमार एवम् प्रो. संजय कुमार के नेतृत्व में प्रो.ज्ञानप्रकाश वर्मा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,वाराणसी से मिलकर चर्चा किया। चर्चा के क्रम में शिक्षकों ने वेतन के अभाव में आपबीती सुनाई तथा अवरूद्ध वेतन से हो रहे उत्पीड़न से मुक्ति का आश्वासन मांगा।

टीबी मरीज के सहयोग में आगे आई जीएसबी संस्था 10 मरीजों को लिया और पोषण पोटली देने का दिया आश्वासन

प्रखर मिजार्पुर। टीबी मरीज के सहयोग में जिले की नारी सशक्तिकरण पर काम करने वाली संस्था ने 10 टीबी मरीजों को गोद लेने का कार्य किया है। जो एक सराहनीय कदम है। इस आशय की जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर यू0एन0सिंह ने दी। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि जलालपुर स्थित जीएसबी संस्था की प्रबन्धक ने अपने कार्यक्रम के दौरान एक टीबी मरीज हीरालाल प्रजापति को खोजा और उसके बाद विभाग को भी सूचना दिया फिर संस्था प्रबन्धक फारिहा खान ने विभाग से और टीबी मरीज को गोद लेने की बात कही तो विभाग के द्वारा इनके सेवा भाव के कार्य को देखते हुए इनको विभाग की ओर से 09 मरीज को गोद देने का फैसला किया उसके बाद संस्था द्वारा अगले छह माह तक दवा के साथ ही साथ पोषण पोटली देने का आश्वासन दिया और उनका पूरा ध्यान रखने का भी विश्वास दिलाया और फारिहा खान ने कहा कि आगे भी जरूरत होगी विभाग का संस्था के द्वारा पूर्ण सहयोग किया जायेगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि शासन स्तर पर दिये गये निदेर्शो के अनुसार ही टीबी रोगियों को खोजने का कार्य लगातार किया जा रहा है। जिले के आबादी का 47 प्रतिशत लोगों का घरण्घर जाकर स्क्रीनिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यदि कोई मरीज मिलता है तो विभाग की ओर से उसका निःशुल्क उपचार किया जाता रहा है।मैंने खुद एपेक्स चिकित्सालय में जिलाधिकारी की मौजूदगी में 70 मरीजों को गोद लिया और उनकी सारी जिम्मेदारी व आवश्यकताओं कोअगले छह माह तक अनवर पूर्ण करूंगा अभी और परिवार को गोद लिया जायेगा। जिला कार्यक्रम समन्वयक संन्ध्या गुप्ता ने बताया कि विभाग के सभी कर्मचारी कोविड के नियमों का पालन करते हुए टीबी के मरीजों का चिन्हाकंन कर रहे है। यदि किसी को 2 हफ्ते से ज्यादा खांसी आती हो और खांसते समय खून आता होए सीने में दर्द तथा बुखार एवं वजन कम होने की शिकायत हो तो वे अपने बलगम की जांच अवश्य कराएं। सरकारी अस्पतालों में यह जांच निशुल्क कराई जाती है। उन्होंने बताया कि 2021.22 में 2356 टी0वी0 मरीजो को चिन्हित किया जा चुका है। जिनको 500 दर से लगभग 98 लाख रुपए बांटे जा चुके है। प्रत्येक विकास खण्ड केन्द्रों पर एकण्एक टी0बी0 जांच यूनिट है ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों की जॉच वहीं पर किया जा सके।

योजना का उद्देश्य- क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के सतीश यादव ने बताया कि इस अभियान को जनआन्दोलन बनाकर आमजन को बताना होगा कि इस बीमारी की रोकथाम संभव है। इसका इलाज आसान व जिले के सभी केन्द्रों पर निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है लोगों को यह भी बताना होगा कि टीबी के कीटाणु हर व्यक्ति के शरीर में मौजूद होते हैं। लेकिन जब व्यक्ति का रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। तो व्यक्ति में यह रोग दिखता है। इलाज से इस बीमारी से आसानी से छुटकारा मिल सकता है। ये सभी जिले के समस्त व्यक्तियों तक पहुंचने के बाद ही टीबी से प्रभावित लोग इलाज की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

केस स्टडी- 1 हीरालाल प्रजापति निवासी ग्राम जलालपुर का कहना है कि जीएसबी संस्था लगातार मरीजों और नारी सशक्तिकरण पर काम कर रही है और उसी दौरान सिलाई वितरण कार्यक्रम के दौरान हमारे घर जब फारिहा खान पहुंची तो उनको हमने अपर समस्या को बताया तब उन्होने अपने गाड़ी से अस्तपताल ले जाकर बिना देर किये दवा शुरू करवाया और आगे छह माह तक हमारी देख रेख का भी आश्वासन भी दिया है इनकी जितनी प्रंशसा की जाए वह कम है।

केस स्टडी-2 सारीपुर ग्राम के निवासी संतोष ने बताया कि मैं विभाग के द्वारा दवा से बहुत संतुष्ट हूॅ। मैं काफी दिनों से टीबी से परेशान था फिर जीएसबी संस्था ने हमे अस्पताल में डाक्टर को दिखाया फिर मैं उनके परामर्श से मैने दवा लेने का काम किया और मैं ठीक हो रहा हूॅ मुझे विभाग व संस्था के द्वारा छह माह तक पोषण पोटली देने का भी आश्वासन दिया गया है।

जिहादियों के आतंक के साए में हिन्दुओं के त्योहार कब तक ? इस विषय पर विशेष संवाद !

हिन्दुओं के त्योहारों के समय होनेवाले दंगे रोकने के लिए हिन्दू बंधुओं को संगठित होने की आवश्यकता ! - श्री. टी. राजासिंह, विधायक, तेलंगाना

श्री. टी. राजा सिंह

आज मुसलमान रास्ते पर नमाज पढ सकते हैं; परंतु श्रीरामनवमी एवं हनुमान जयंती पर हिन्दू सामान्य शोभायात्रा निकालते हैं, तो उसमें विघ्न-बाधाएं उत्पन्न की जाती हैं । देश में हिन्दुओं के उत्सवों के समय किए जानेवाले दंगे एवं अन्य हिंसक घटनाओं को देखते हुए उन्हें रोकने के लिए हिन्दू बंधुओं को अब संगठित होने की अत्यधिक आवश्यकता है, ऐसा प्रतिपादन तेलंगाना के प्रखर हिन्दुत्वनिष्ठ विधायक श्री. टी. राजासिंह ने किया । हिन्दू जनजागृति समिति की ओर से जिहादियों के आतंक के साए में हिन्दुओं के त्योहार कब तक ? इस विषय पर आयोजित ऑनलाईन विशेष संवाद में वे बोल रहे थे ।

इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषदके राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. विनोद बंसल बोले, श्रीरामनवमी एवं हनुमान जयंती के त्योहारों के समय हिन्दुओं की शोभायात्राओं पर पहले भी आक्रमण होते थे और अब भी वे शुरू ही हैं; परंतु अब हिन्दू प्रतिकार करने लगे हैं । बंगाल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ, दिल्ली आदि राज्यों में षड्यंत्रपूर्वक पुलिस-प्रशासन द्वारा हिन्दुओं को शोभायात्राएं निकालने से रोका जा रहा है । इन शोभायात्राओं में धर्मांधों के अत्याचार के लक्ष्य बने हिन्दुओं को ही दोषी बताकर, उन्हें बंदी बनाया जा रहा है और वास्तविक दोषी खुले आम घूम रहे हैं । इसमें धर्मांधों का समर्थन करनेवाले संगठन, राजकीय नेता और सोशल मीडिया पर कार्यरत तथाकथित फैक्ट चेकर के एकदूसरे से आपसी संबंध हैं । इन सभी की यंत्रणा को उखाड फेंकने की आवश्यकता है ।

सनातन संस्थाके धर्मप्रचारक श्री. अभय वर्तक बोले, इस वर्ष भी हिन्दू त्योहारों के समय दंगे करवाए गए । इसमें महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में हुए दंगे में पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पी.एफ.आइ.) का सहभाग था । आज मुसलमानों की लोकसंख्या देश में 25 करोड होते हुए भी उन्हें अल्पसंख्यक कहकर संबोधित करना, हिन्दुओं की आंखों में धूल झोंकने समान है । आज देश में होनेवाली विविध घटनाओं से भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने के प्रयत्न शुरू हैं । हमारा देश दूसरे विभाजन की ओर अग्रसर है, यह वास्तविकता आखों के सामने दिखाई दे रही है । हिन्दुओं के संगठित न होने से वे विनाश की ओर जाएंगे । इसे टालने हेतु हिन्दू अपने समक्ष जो आवाहन है उसे पहचानें और जात-पात, संगठन, पद आदि सर्व एक ओर रख, अब हिन्दू राष्ट्र के लिए संगठित हों ।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के आत्मदीप नामक संगठन के अध्यक्ष अधिवक्ता प्रसून मैत्र बोले, यहां के राजकीय पक्ष की मानसिकता ऐसी है कि पश्चिम बंगाल में मुसलमान समाज कुछ भी करे, तब भी कानूनी दृष्टि से उसे योग्य ठहरा कर, उसका समर्थन किया जाता है । आज हिन्दुओं को दुर्बल समझकर कानून की धाक दिखाई जाती है । भगवान श्रीकृष्ण के शांति का प्रस्ताव कौरवों के ठुकरा देने पर अंत में पांडवों को युद्ध करना ही पडा । हिन्दुओं को भी अब केवल वातार्लाप की भूमिका में न रहते हुए काल की आवश्यकता पहचानकर प्रतिकार करना सीखना चाहिए ।

वाराणसी में शुरू हुयी पीएम गतिशक्ति एनएमपी पर पांचवीं क्षेत्रीय कार्यशाला

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। देश की सांस्कृतिक राजधानी के तौर विख्यात वाराणसी में पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) पर आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ जिसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों के अलावा केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया` केन्द्र सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यशाला का मकसद पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के सभी स्टेक होल्डर्स के बीच तालमेल बनाना और जोश पैदा करना है` प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अक्टूबर 2021 को पीएम गतिशक्ति को देश में अगली पीढ़ी के लिये बुनियादी ढांचे की योजना बनाने के उद्देश्य से लांच किया था इससे ईज ऑफ लिविंग के साथ-साथ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार के लिए मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी को प्रोत्साहन मिला है` डीपीआईआईटी में विशेष सचिव सुमिता डावरा और बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास विभाग (आईआईडीडी) के प्रधान सचिव अनिल सागर ने कार्यशाला के उदघाटन सत्र को संबोधित किया` इस अवसर पर बीआईएसएजी-एन, नीति आयोग और एनआईसीडीसी के अलावा विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों समेत 120 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किये` उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, बिहार, ओड़िसा और पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यशाला में भाग ले रहे हैं` सुमिता डावरा ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से अपील की कि वे सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने के लिए एनएमपी , एसएमपी का उपयोग करें` एसएमपी पर मैप की गई डेटा लेयर्स पर डेटा मैपिंग और डेटा की प्रामाणिकता में सुधार करें` उपयुक्त अवसंरचना और रसद विकास के माध्यम से आर्थिक केंद्रों के विकास पर ध्यान दें महत्वपूर्ण अवसंरचना अंतरालों की पहचान करने के साथ यह सुनिश्चित करें कि उन्हें

कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिए लिया गया है`

जियो-टैग डेटा के विकास के लिए स्थानीय रिमोट सेंसिंग एजेंसियों ,अंतरिक्ष एजेंसियों का लाभ उठाएं उन्होने कहा कि ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों को सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक - आर्थिक विकास के लिए एरिया एप्रोच को प्राथमिकता दी जाएगी` कार्यशाला के पहले दिन केंद्र और राज्य स्तर पर मंत्रालयों और विभागों से उपयोग के मामलों के साथ मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए बुनियादी ढांचा योजना पर चर्चा हुई` पीएम गतिशक्ति को अपनाने पर समग्र दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुतियां दी गयी` राज्य मास्टर प्लानिंग की आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श, डेटा गुणवत्ता प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ पर्याप्त मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के माध्यम से राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में आर्थिक केंद्रों के विकास के लिए क्लस्टर-आधारित क्षेत्र दृष्टिकोण, आगामी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए समग्र योजना दृष्टिकोण, लॉजिस्टिक दक्षता के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) कार्यक्रम के पहले दिन का मुख्य आकर्षण रहा` पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के लॉन्च के बाद से संबंधित मंत्रालयों और सभी राज्यों , केंद्र शासित प्रदेशों को मिशन-मोड में शामिल कर लिया गया है परियोजना योजना और कार्यान्वयन में पीएम गतिशक्ति सिद्धांतों को अपनाने के लिए आंतरिक क्षमताओं के साथ-साथ संस्थागत ढांचे की स्थापना की गई है`

जीआईएस-आधारित व्यक्तिगत पोर्टल और अनुकूलित निर्णय लेने वाले उपकरण विकसित किए गए हैं वर्तमान में केंद्रीय स्तर और अधिकांश राज्यों में मंत्रालयों द्वारा परियोजना नियोजन और कार्यान्वयन के लिए जीआईएस डेटा आधारित राष्ट्रीय मास्टर प्लान का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है` देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करते हुए फरवरी से अप्रैल 2023 तक आयोजित सभी पांच क्षेत्रीय कार्यशालायें अब तक बहुत आश्वस्त करने वाली रही है अब तक गोवा (20 फरवरी 2023), कोच्चि (9-10 मार्च 2023), श्रीनगर (17-18 मार्च 2023), गुवाहाटी (24-25 मार्च 2023) और वर्तमान में वाराणसी (11-12 अप्रैल) में कार्यशालायें आयोजित की गयी हैं` इस दौरान क्षेत्रीय दृष्टिकोण अवधारणा पर भी चर्चा की गई देश भर में व्यापक,समग्र और एकीकृत बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के अंतराल को पाटने और विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों, औद्योगिक पार्कों आदि में सापेक्ष बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने के लिए पीएम गतिशक्ति एरिया एप्रोच को अपनाया जा रहा है` देश भर में 100 स्थानों ,आर्थिक नोड्स का विकास करना, एरिया एप्रोच का विजन अभिसरण दृष्टिकोण के माध्यम से एक तर्कसंगत भौगोलिक स्थिति के भीतर एक स्थायी तरीके से सामाजिक-आर्थिक विकास को उत्प्रेरित करने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। विभिन्न आर्थिक नोड्स के आसपास 150-200 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाले सामरिक स्थानों की पहचान,बुनियादी ढांचे को संतृप्त करने के साथ मील कनेक्टिविटी को बढ़ायेगी इसके तहत चिन्हित क्षेत्रों के व्यापक और समग्र विकास के लिए बुनियादी ढांचे की कमी और रसद सुविधाओं की जरूरतों की पहचान करने में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है` कार्यशाला के दूसरे दिन राष्ट्रीय लाजिस्टिक नीति और राज्य लाजिस्टिक नीतियों पर सत्र होंगे।

मासूम बच्ची का दुराचारी चढ़ा पुलिस के हत्थे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अपर पुलिस ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद महोदय के कुशल मार्गदर्शन में आज बुधवार को उप निरीक्षक मुन्ना लाल शर्मा थाना बिरनो जनपद गाजीपुर मय हमराह देखभाल क्षेत्र,व भ्रमण के दौरान मुखबीर की सूचना पर रेलवे स्टेशन गाजीपुर से अभियुक्त अम्बरीश यादव पुत्र योगेन्द्र यादव निवासी सराय गोविन्द भिटवा थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर सम्बन्धित एससी एसटी एक्ट व पाक्सो एक्ट थाना बिरनो गाजीपुर को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त को विधिक प्रक्रिया में माननीय न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक मुन्ना लाल शर्मा, हेड कांस्टेबल रामधनी यादव, महिला कांस्टेबल ममता शुक्ला शामिल रहे।

कथा मात्र सुनने से नहीं, बल्कि अमल करने से जीवन होता है चरितार्थ : नयनश्री प्रज्ञा देवी

बेल्थरारोड (बलिया)। आर्य समाज की भजनोपदेशिका श्रीमती नयनश्री प्रज्ञा देवी ने कहा कि कथा मात्र सुनने से नही, बल्कि उस पर अमल कर जीवन में उतार कर चरितार्थ करने से होता है। पुलवामा घटना की चर्चा करते हुए नारियों से अपील किया कि एक नहीं कई पुलवामा काण्ड हो तो भी हम ऐसे बालक को जन्म देना देना जो साहसी, निर्भिक सैनिक बनकर देश की रक्षा में काम करेगा। देश को ऐसे ही लाल की जरुरत है। स्थानीय नगर के रामलीला मंच से बीते 8 अप्रैल से चल रहे आर्य समाज के तीन दिवसीय 90वां वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को भजनोपदेशिका प्रज्ञा देवी बोल रही थी। उन्होने संगीतमयी प्रबचन के माध्यम से देशवासियों को सिर कटा सकते है लेकिन सिर झुका सकते नहीं की तर्ज पर देश भक्ति के लिए प्रेरित किया। अंत में मानव चरित्र को लेकर विस्तार से चर्चा भी की। आर्य समाज के उपदेशक हरिशंकर अग्निहोत्री ने कहा कि आज देश की हालत अत्यन्त ही चिन्ता जनक करार देते हुए कहा कि आज देश के अन्दर दयानन्द सरस्वती जैसे ब्यक्ति का अभाव है। त्याग व समर्पण की भावना का लोप हो चुका है। गलत खान पान के कारण आर्य समाज व बेद का नाम लेने वालों की संख्या का अभाव दिखने लगा। उन्होने दयानन्द सरस्वती और उनके गुरु बृजानन्द की आपसी मुलाकात तथा आपसी सम्बन्धों की चर्चा विस्तार से की। ग्रन्थों की चर्चा कर कहा कि अपना पूरा जीवन गुरु दक्षिणा में दयानन्द सरस्वती ने गृरु बृजानन्द को दान में दे दिया था। उनके जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। तार्किक बक्तब्यों से सिद्ध करते हुए कहा कि आजादी के बाद देश बेद व आर्य समाज ने ही महिला प्रधान मंत्री स्व0 इंदिरा गांधी को कुर्सी पर बिठाया था। अंत में ग्रन्थ व बेद की चर्चा कर कहा कि यह आज भी चल रहा है और भविष्य में भी चलेगा। जिसका देश व समाज के हित में अहम रोल कायम है। इस वार्षिकोत्सव में बेल्थरा रोड के बाहर से ज्ञानप्रकाश बैदिक, आचार्य रामप्रसाद, गौरव यादव प्रशासक बलिया, कमला सिंह, बांके लाल, मोहन सोनी, विजय शंकर दूबे, शीतल प्रसाद, रजनीश, वाराणसी से प्रमोद आर्य, हृदयानन्द ने भी अंतिम दिन भाग लेकर मंच की शोभा बढ़ाने का काम किया था। ब्यवस्था की दृष्टि से आर्य समाज के प्रधान आनन्द कुमार आर्य, उप प्रधान शिव कुमार गुप्ता, मंत्री जोरावर सिंह, कोषाध्यक्ष अखिलेश कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता रुपचन्द, उपमंत्री हरिप्रकाश बरनवाल, महिला आर्य समाज से प्रधान श्रीमती उषा राय, मंत्री श्रीमती रागिनी गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती गीता देवी, सभा संरक्षिका के रुप में मुन्नी देवी, शकुन्तला देवी एवं राजकुमारी देवी व उनकी टीम सक्रिय दिखी।

पितामह व पिता के नाम पर की कक्ष निर्माण की घोषणा– आर्य समाज परिवार से जुड़े केशरी नन्दन ने मंच से अपने पितामह एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे स्व0 स्वामी बनारसी दास व पिता स्व0 साधु शरण की भावना का सम्मान करते हुए उनके नाम पर बेल्थरारोड की यज्ञशाला परिसर में एक पक्का कक्ष निर्माण कराने की घोषणा की। जिसका सभी श्रोताओं ने ताली बजाकर स्वागत किया।

वाराणसी आरटीओ के बार-बार नोटिस से परेशान वरिष्ठ नागरिक ने मानहानि का ठोका मुकदमा

जर्जर वाहन का टैक्स जमा करने के बाद भी, टैक्स जमा करने के लिए लगातार आरटीओ भेजता रहा नोटिस

प्रखर वाराणसी। आरटीओ द्वारा बार-बार नोटिस भेजने से अजीज आकर वाराणसी जनपद के भेलूपुर निवासी एक वरिष्ठ नागरिक ने मानसिक प्रताड़ना व मानहानि का मुकदमा आरटीओ पर ठोका है। बतादें कि उनके द्वारा अपनी गाड़ी का संपूर्ण भुगतान किए जाने के बाद भी आरटीओ द्वारा लगातार कई बार उन्हें नोटिस भेज राशि जमा करने की बात कही। बार-बार वे उस नोटिस का जवाब के तौर पर भुगतान किए गए पैसे की रसीद उन्हें भेजते, लेकिन उसको अनदेखा कर फिर नोटिस भेज देते। जिससे अजीज आकर वरिष्ठ नागरिक ने आरटीओ पर मानसिक प्रताड़ना व मानहानि का मुकदमा ठोक दिया। उक्त मामले में प्रखर पूर्वांचल से बातचीत करते हुए भुक्तभोगी वरिष्ठ नागरिक भेलूपुर निवासी विरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मैंने अपनी ट्रक संख्या यूपी 63 एफ 9612 मॉडल 2006 को मैंने वाराणसी के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन के कार्यालय में आवेदन कर अपनी गाड़ी की हालत जर्जर बताते हुए उसके

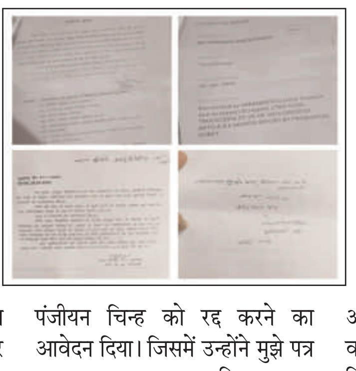

पंजीयन चिन्ह को रद्द करने का आवेदन दिया। जिसमें उन्होंने मुझे पत्र द्वारा अवगत कराया कि आपका पंजीयन रद्द कर दिया गया है आपके ऊपर कोई बकाया राशि नहीं है। 26 जून 2014 को रद्द होने के बाद भी बार-बार सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी के कार्यालय से नोटिस भेजा गया और वाहन पर बकाया टैक्स को जमा करने की बात कही गई। मैंने उस नोटिस के जवाब के तौर पर लगातार कार्यालय को अवगत कराया कि मैंने पैसा जमा कर दिया है, मेरे ऊपर कोई बकाया राशि नहीं है। साथ में उनके द्वारा दिए गए पत्र की कॉपी भी संलग्न किया। लेकिन बार-बार उनके द्वारा नोटिस दिया गया, जिससे मैं मानसिक रूप से प्रताड़ित होते हुए अंततोगत्वा मानहानि व मानसिक प्रताड़ना का मुकदमा करने का फैसला किया। बता दें कि भेलूपुर निवासी विरेंद्र प्रताप सिंह ने संभागीय परिवहन अधिकारी को वादी बनाते हुए वाराणसी न्यायालय द्वितीय अपर सिविल जज के यहां मुकदमा किया है। अब देखना यह है कि संभागीय परिवहन अधिकारी उक्त मामले में अपनी क्या प्रतिक्रिया देते हैं? उनका पक्ष जानने के लिए प्रखर पूर्वांचल ने उनके सीयूजी नंबर पर फोन किया तो उनका फोन पहुंच से बाहर आया।

पुनः भाजपा में शामिल हुए सपत्नी लाल जी गुप्ता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर पंचायत जंगीपुर के निवर्तमान अध्यक्ष लाल जी गुप्ता तथा उनकी धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी को आज भाजपा जिला कार्यालय, छावनी लाइन पर जिलाध्यक्ष भानुप्रताप

सिंह ने जिला प्रभारी अशोक मिश्रा, पुर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय, जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरोज कुशवाहा, लोकसभा प्रभारी सुशील उपाध्याय कि उपस्थिति मे पार्टी का पट्टा पहनाकर भाजपा कि सदस्यता ग्रहण कराया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने कहा कि लाल जी गुप्ता के भाजपा मे पुनर्वापसी से जंगीपुर विधानसभा मे पार्टी की क्षमता मे अतुलनीय वृद्धि हुई है।तथा आगामी नगर निकाय चुनाव मे भाजपा जिले कि सभी नगरपालिका तथा नगर पंचायतों पर परचम लहराएगी। लाल जी गुप्ता 1993 मे विद्यार्थी परिषद से जुड़कर भाजपा युवा मोर्चा और भाजपा मे मंडल अध्यक्ष तक रह चुके है।तथा 2017 के नगर पंचायत चुनाव मे स्वतंत्र प्रत्याशी के रुप मे जंगीपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष पद पर विजयी रहे है। इस अवसर पर रामनरेश कुशवाहा, ओमप्रकाश राय,प्रवीण सिंह,दयाशंकर पांडेय, अवधेश राजभर,शीला सोनकर आदि उपस्थित रही।

वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक का गोमती पद यात्रा के बाद वाराणसी में प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत

उदय प्रताप कॉलेज के प्राचीन छात्र एसोसिएशन सभागार में माँ गोमती की 31 दिन में 1001 किमी की पदयात्रा कर वाराणसी पहुंची हैं वॉटर वुमेन, जल संरक्षण के लिये सरकार का सहयोग करें युवा: वॉटर वुमेन, बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर वॉटर वुमेन ने किया जलाभिषेक

प्रखर वाराणसी। पीलीभीत जिले के गोमुख ताल से माँ गोमती के उद्गम स्थल से वाराणसी में कैथी स्थित विलय स्थल तक ऐतिहासिक पदयात्रा करने वाली वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक का वाराणसी में यात्रा के पश्चात प्रथम आगमन पर उदय प्रताप कॉलेज के प्राचीन छात्र एसोसिएशन सभागार में भव्य स्वागत किया गया। वॉटर वुमेन ने अपनी यात्रा के दौरान दर्जनों जिलों के गोमती नदी के दिव्य जल से आज कार्यक्रम से पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर भारत की नदियों की स्वच्छता एवम किनारों को हरा-भरा करने की प्रार्थना की, इसके उपरांत उदय प्रताप कॉलेज पहुंचकर उन्होंने जल संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।कार्यक्रम की मुख्य वक्ता वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक ने कहा कि गोमती नदी की 1001 किमी की पदयात्रा के दौरान

उन्होंने देखा कि पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता होने पर वो उसके संरक्षण के प्रति गंभीर हो रहे हैं। उन्होंने कहा भारत कि ग्रामीण क्षेत्र की नदी किनारे के तट सरकार से बहुत अधिक अपेक्षा रखते है, उन्होंने जगह जगह समझाया सरकार एक दायरे तक जी कार्य कर सकती है जब तक हम सभी के ये समझ नहीं आयेगा कि जल को दूषित करने अपने घर को दूषित करना है तब तक कुछ नहीं हो सकता। वॉटर वुमेन ने अपने नदी किनारे के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि गोमती नदी के किनारे आज भी दिव्यता, धार्मिकता, आध्यात्मिकता एवं भव्यता को समेटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जहां जहां जंगल क्षेत्र है, वहां की सुंदरता देखने लायक है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला प्रचारक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सुरेश जी ने युवाओं को वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक के बारे में बताते हुए कहा कि इससे पहले ये नर्मदा नदी की 3600 किमी की पैदल यात्रा करने के अलावा कैलाश मानसरोवर और सरयू, शिप्रा जैसी नदी की यात्रा कर किनारों पर अपनी पंचतत्व संस्था के माध्यम से पौधे रोपित करा रहीं है। वॉटर वुमेन के एक करोड़ वृक्ष संकल्प के बारे में भी अवगत कराते हुए कहा की आने वाले समय में जल संकट पूरे विश्व का संकट बनने जा रहा है, ऐसे में शिप्रा पाठक जैसे चंद लोग है, जो हमें अभी से इससे आगाह करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नदी और वृक्ष हमारे पर्यावरण की रीढ़ हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. विंध्याचल सिंह ने सैकड़ों प्रकृति प्रेमियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि पर्यावरण के लिए जनजागृति का प्रसार करने वाली शिप्रा पाठक की तरह अन्य युवाओं को भी निकलना चाहिए।कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए आनंद जी ने कहा कि वॉटर वुमेन के साहस की जितनी प्रशंसा की जाये, उतनी कम है। कार्यक्रम का आयोजन उदय प्रताप कॉलेज प्राचीन छात्र एसोसिएशन द्वारा किया गया एसोसिएशन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से रवि सिंह, ब्रजभूषण दुबे, सुशील चंद्र पांडे, आशीष पांडे, नीरज पांडे, अवनीश पाठक,अविनाश आनंद, आनंद प्रकाश, अरुण सिंह , राजीव पांडे, प्रतीक सिंह, अमन सेठ, संजय सिंह सहित सैंकड़ों की संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राजा बलदेव दास बिड़ला अस्पताल के नेत्र ज्योति विभाग ने गरीब एवं असहाय रोगियों का किया नि:शुल्क इलाज और दो दर्जन लोगों को आंखों का जांचकर बनाया चश्मा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विकास खण्ड हरहुआं के ग्राम पंचायत औरां मे 12अप्रैल 2023 बुधवार को पंचायत भवन पर राजा बलदेव दास बिड़ला अस्पताल, मछोदरी वाराणसी के नेत्र ज्योति विभाग द्वारा गरीब एवं असहाय रोगियों के मोतियाबिंद का आपरेशन हेतु जांच, लेंस लगाना बिना टांके का नि:शुल्क इलाज किया गया तथा लगभग दो दर्जन लोगों के आंखों का जांचकर चश्मा भी बनाया गया इस मौके पर अस्पताल के वरिष्ठ डा0 सी एल पटेल व उनके सहयोगी कमल जी, ग्राम प्रधान विद्योत्मा देवी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संजय कुमार तथा सफाईकर्मी सोमारू प्रसाद, सुनीता देवी के साथ - साथ दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने एडीएम प्रशासन की कोर्ट में बने महापौर नामांकन कक्ष का किया निरीक्षण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी एस राजलिंगम ने आज नगर निकाय चुनाव 2023 के नामांकन के दूसरे दिन बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एडीएम प्रशासन की कोर्ट में बने महापौर नामांकन कक्ष का किया निरीक्षण` आर.ओ. एडीएम (एफ आर) ने वहां की तैयारियों की जानकारी दी।

कविता संग्रह 'गुलशन के फूल का लोकार्पण 23 अप्रैल को

प्रखर गाजीपुर। जनपद के नामचीन कवि गीतकार पत्रकार और शिक्षक विजय कुमार मधुरेश के कविता संग्रह 'गुलशन के फूल,का लोकार्पण कार्यक्रम आदर्श जनता इ०का०पलिया गाजीपुर के स्व०यमुना यादव स्मृति सभागार में 23अप्रैल रविवार को दिन में ग्यारह बजे से किया जाएगा। जिसमें कवि साहित्यकार लेखक और पत्रकार के साथ साथ हिंदी प्रेमी सुधिश्रोता एवं पाठक गण भाग लेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ०अभयराज यादव (प्रोफेसर हिन्दी) राजकीय पी०जी० कॉलेज सैय्यद राजा चंदौली एवं विशिष्ट अतिथि श्री विपिन कुमार यादव (जिला समाज कल्याण अधिकारी) झांसी होंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील रचनाकार मंच के तत्वावधान में साहित्यिक एवं सरस काव्य गोष्ठी का भी कार्यक्रम किया जाएगा। जिसमें नामचीन कवियों अपनी अपनी रचनाओं से लोकार्पण कार्यक्रम को उंचाई प्रदान करेंगें।इसकी जानकारी सूरज पाण्डेय 'सुजान,ने दी है।

जी-20 अम्बेसडर ने सूंदर कलाकृति युक्त दीवालों पर प्रत्याशियों से पोस्टर न लगाने की अपील की

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नगर निकाय व नगर निगम चुनाव सर पर है अतएव सभी भावी प्रत्यशियो से करबद्ध अपील की है कि वह जी-20 के लिए वीडीए द्वारा दिवालो को पेंट किया गया सुन्दर कलाकृति की गई उसपर किसी प्रकार का विज्ञापन न लगाएं और न ही लगने दे जी-20 के मेहमानों के स्वागत हेतु भव्यता देने के लिए शहर भर सुन्दर कार्य किये जा रहे है अतएव किसी भी तरह का दिवालो पर अनाधिकृत तरीके से चस्पा बिल्कुल अशोभनीय होगा विकास प्राधिकरण ने मंदिर घाट, महापुरुषों की आकृतियां शहर की दिवालो पर काशी की विरासत को दिखाया है सामाजिक संस्थाओं को जोड़कर जी-20 के मेहमानों के स्वागत के लिए काशी को और सुंदर बनाया गया मेहमान बनारस की अच्छी याद लेकर जाएंगे इससे जन सहभागिता का प्रयास फलीभूत हुआ।

अखिलेश कुमार सिंह दोबारा चुने गये जिलाध्यक्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज बुधवार को राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्ट संघ गाजीपुर का द्विवार्षिक चुनाव व अधिवेशन होम्योपैथीक मेडिकल कालेज रौजा गाजीपुर के सभा कक्ष में सम्पन्न हुआ। जिसमे मुख्य अतिथि प्रान्तीय अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश पांडेय व विशिष्ट अतिथि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे, जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा सभा को संबोधित करते हुए सभा कक्ष में बैठे सदस्यों से अपील किया कि सभी कर्मचारी भेद भाव मिटा कर एकता के सूत्र में बंधे और संगठन को मजबूती प्रदान करें आने वाला समय संघर्ष का वर्ष है।कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा 12 सूत्रीय मांगों को लेकर दिनाँक 18मई2023 को एक दिवसीय माँगो को लेकर आंदोलन का घोषणा किया जा चुका है। मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश पांडेय के देख रेख चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें सर्व सम्मति से अखिलेश कुमार सिंह जिलाध्यक्ष व सूर्यकांत पांडेय को जिलामंत्री निर्विरोध निर्वाचित चुना गया, नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री ओंकार नाथ पांडेय द्वारा शपथ दिलाई गई।

सीजेआई ने वकील को फटकारा मेरे साथ ये ट्रिक्स मत चलिए...

नई दिल्ली,, (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान एक याची को फटकार लगा दी। उन्होंने कहा कि मेरे साथ ये ट्रिक्स मत चलिए। यहां अर्जी दाखिल करने के बाद यह मत कहें कि जल्दी डेट के लिए कहीं और दाखिल कर दूं।

दरअसल यह मामला उस वक्त हुआ जब वकील ने केस की सुनवाई के लिए जल्दी तारीख देने की मांग की और चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच से कहा कि यदि पीठ अनुमति दे तो वह किसी दूसरी बेंच के सामने अर्जी दाखिल कर दें। इतना सुनते ही चीफ जस्टिस नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि ये तरीका ठीक नहीं है। ऐसे नहीं चलेगा। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष हुए इस घटनाक्रम में वकील ने तुरंत क्षमा मांगी. वकील ने कहा कि मीलॉर्ड, मुझे माफ कर दीजिए।

इस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आपकी माफी को स्वीकार किया जाता है, लेकिन याद रखें कि मेरी अथॉरिटी को चुनौती देने की कोशिश न करें। इसके साथ ही उन्होंने मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख 17 अप्रैल तय कर दी।

वाशिंगटन जी7 के वित्त मंत्रियों, केंद्रीय बैंक प्रमुखों की करेगा मेजबानी

टोक्यो, (एजेंसी)। अमेरिका के वाशिंगटन में 12-13 अप्रैल को आयोजित जी20 की मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर बुधवार को जी7 के केंद्रीय बैंकों के वित्त मंत्रियों और गवर्नरों की बैठक होगी। जापान के वित्त मंत्री शुनिची सुजुकी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जापानी समाचार एजेंसी क्योडो के हवाले से कहा कि मैं अपने समकक्षों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का इरादा रखता हूं।' उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि जी7 प्रतिनिधिमंडल दुनिया में बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर भी चर्चा करेगा। गौरतलब है कि जी7 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की पिछली बैठक 23 फरवरी को भारतीय शहर बेंगलुरु में हुई थी।

भारतीयों के लिए नहीं, रमजान स्नैक्स पर मुस्लिम दंपति से बदसलूकी, मांगी माफी

सिंगापुर के सुपर मार्केट ने कॉम्प्लीमेंट्री स्नैक्स देने से कर दिया था मना

सिंगापुर, (एजेंसी)। सिंगापुर के सुपरमार्केट ने भारतीय मूल के मुस्लिम दंपति से माफी मांगी है। दरअसल, मामला यह है कि इस कपल को रमजान के दौरान सुपरमार्केट में कॉम्प्लीमेंट्री स्नैक्स लेने से रोक दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों से कहा गया था कि यह कॉम्प्लीमेंट्री स्नैक्स केवल मलय लोगों के लिए है और भारतीय इसे नहीं ले सकते।

भारतीय मूल के जहाबर शालिह 36 साल के भारतीय हैं और उनकी 35 वर्षीय पत्नी फराह नाडिया हैं। जहाबर के मुताबिक वह लोग 9 अप्रैल को नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एनटीयूसी) द्वारा चलाए जा रहे सुपरमार्केट में पहुंचे थे। यह लोग अपने दो छोटे बच्चों के साथ यहां से किराने का सामान खरीद रहे थे, जब उन्हें स्नैक्स स्टैंड से भगा दिया गया। फराह ने रविवार को इस घटना के बारे में फेसबुक पर भी लिखा है, जिस पर 500 से ज्यादा लोगों ने प्रतिक्रिया दी है।

यूएनएससी में भारत ने पाक को लताड़ा, आतंक पर घेरा

प्रतिनिधि ने कहा: सीमा पार ड्रोन से हथियारों की तस्करी

न्यूयार्क ■ एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को जमकर लताड़ा है। भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए अवैध हथियारों की तस्करी होती है जिस वजह से भारत को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

यूएनएससी में हथियारों के निर्यात और सप्लाई में अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन से वैश्विक चुनौती विषय पर बहस के दौरान बिना पाकस्तान का नाम लिए कंबोज ने कहा कि कुछ देश काफी संदिग्ध हैं। उनके कुकृत्यों के लिए आतंकियों के साथ मिलीभगत को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह से अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के जरिए अवैध रूप से हथियारों की सप्लाई भू-राजनीतिक तनाव को बढ़ाती है। कुछ देश खुद को पीछे रखते हुए आतंकवादियों के जरिए पड़ोसी देशों में अवैध हथियार भेजते हैं और वहां शांति भंग करने की कोशिश करते हैं। जिस तरह से आतंकियों के पास से आधुनिक और छोटे हथियार मिल रहे हैं, उससे पता चलता है कि बिना किसी और देश के हाथ लगाए इस तरह की सप्लाई नहीं हो सकती। कंबोज ने कहा, हम सीमा पर अवैध हथियारों की सप्लाई की चुनौती का सामना कर रहे हैं। भारत ने इसे रोकने के लिए लीगल और रेग्युलेटरी सिस्टम बनाया है।

बता दें कि कई बार सुरक्षाबलों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया है।

सांसदी जाने के बाद केरल में पहली बार राहुल, प्रियंका ने भी जनसभा को किया संबोधित

वायनाड में राहुल ने कहा चाहे जेल में डाल दो, पर सवाल तो मैं पूछता रहूंगा

वायनाड, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ वायनाड पहुंचे। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा शासित केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि सांसद तो बस एक टैग है। यह एक पद है... इसलिए भाजपा टैग हटा सकती है, वे पद ले सकते हैं, वे घर ले सकते हैं और वे मुझे जेल में भी डाल सकते हैं लेकिन वे मुझे वायनाड के लोगों का प्रतिनिधित्व करने से नहीं रोक सकते। मैं सवाल तो पूछता रहूंगा। उन्होंने कहा कि चार साल पहले मैं यहां आया और एमपी बना। मेरे लिए यहां चुनाव प्रचार करना सबसे अलग था। मैं केरल का रहने वाला नहीं हूं, लेकिन आपके प्यार ने मुझे महसूस कराया कि मैं आपका भाई, आपका बेटा हूं।

वायनाड में राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें (केंद्र सरकार) लगता है कि वे मेरे घर पुलिस भेजकर मुझे डराएंगे लेकिन मैं वास्तव में खुश था कि उन्होंने मेरा घर ले लिया। आप मेरा घर 50 बार ले लो लेकिन मुझे कोई परवाह नहीं है। मैं तब भी देश और वायनाड के लोगों के मुद्दे उठाता रहूंगा। राहुल गांधी ने कहा कि मैं भाजपा से कई वर्षों से मुकाबला कर रहा हूं, लेकिन हैरानी होती है कि वो अपने विरोधी को समझ नहीं पाए। वो नहीं समझ पाते कि उनका विरोधी धमकी में आने वाला नहीं है। वो सोचते हैं कि मेरे घर पर पुलिस भेजने से मैं डर जाऊंगा, घर छीन लेने से परेशान हो जाऊंगा। मैं खुश हूं कि उन्होंने घर ले लिया।

प्रियंका ने उठाया राहुल की सदस्यता का मुद्दा

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस दौरान राहुल का अयोग्य करार दिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि गुजरात की अदालत ने एक निर्णय पारित किया जिसके बाद सरकार ने उन्हें (राहुल गांधी) संसद से अयोग्य घोषित कर दिया। सवाल पूछना, जवाबदेही की मांग करना, मुद्दे उठाना सांसद का काम है। मुझे यह बात अजीब लगती है कि पूरी सरकार यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी भी इसे अनुचित मानते हैं। एक आदमी पर बेरहमी से हमला करते हैं क्योंकि उसने ऐसा सवाल पूछा है जिसका वे जवाब नहीं दे सके। सरकार के पास कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सवालों का जवाब नहीं था इसलिए उसकी संसद की सदस्यता को ही रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा हमारे लोकतंत्र को खत्म करने में तुली है। पूरी मोदी सरकार गौतम अदाणी का बचाव करने की कोशिश कर रही है। खुद प्रधानमंत्री अदाणी के बचाव में लगे हुए हैं। प्रधानमंत्री हर दिन अपने 'ड्रेसिंग स्टाइल' में बदलाव कर रहे हैं, लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल में आम लोगों की जीवनशैली में कोई बदलाव नहीं आया है। आम युवा नौकरी के लिए संघर्ष कर रहा है। श्रीमती वाड्रा ने अपने भाई राहुल गांधी की तारीफ में कहा कि श्री गांधी एक ईमानदार, सच्चा इंसान और बहादुर व्यक्ति है और वह उन लोगों की ताकत के सामने भी निडर होकर खड़े हैं जो उन्हें चुप कराना चाहते हैं।

पाकिस्तान में एक तीर से तीन शिकार, सभी चुनाव एक दिन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान की संसद ने एक विशेष संयुक्त सत्र में देश को आर्थिक संकट से बचाने के लिए राष्ट्रीय तथा प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव एक ही दिन कराने की मांग संबंधी प्रस्ताव सोमवार को पारित कर दिया। यह प्रस्ताव तब लाया गया जब उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव कराने का आदेश दिया था। पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक दो समान प्रस्तावों को संसदीय मामलों के संघीय मंत्री मुर्तजा जावेद अब्बासी और सीनेटर कामरान मुर्तजा ने राजनीतिक स्थिरता को बढ़ावा देने और प्रांतों के बीच एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पेश किया था। प्रस्ताव में दलील दी गई थी कि अलग-अलग चुनाव कराने से प्रांत में आम चुनाव के नतीजों पर असर पड़ेगा। पंजाब में 14 मई को चुनाव कराए जाने थे लेकिन खैबर पख्तूनख्वा में चुनाव की तारीख पर अभी तक फैसला नहीं लिया गया था। पीटीआई के सांसदों ने चुनाव कराओ और देश बचाओ का नारा से सदन से वॉकआउट किया।

श्रीनगर में जी-20 की बैठक, बौखलाया पाक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में जी-20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक से बैखलाए पाकिस्तान ने इस मीटिंग पर भारत के फैसले की कड़ी आपत्ति जताई है। पाक ने कहा है कि भारत अपने स्वार्थी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समूह की सदस्यता का फायदा उठा रहा है. पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का ये गैर-जिम्मेदाराना कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों की सरासर अनदेखी है। उसने अगले महीने लेह और श्रीनगर में युवा मामलों पर एक सलाहकार मंच की दो अन्य बैठकों पर भी आपत्ति जताई है। पाकिस्तान ने कहा कि भारत ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में काम करने में असमर्थ है।

अदाणी मामले पर जेपीसी का विरोध करने वाले शरद पवार फिर पलटे, विपक्षी एकता की दुहाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अदाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की विपक्ष की मांग को गलत बताने वाले एनसीपी के मुखिया शरद पवार अब अपने रुख से पलट गए हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि विपक्ष की एकता के लिए यदि यह जरूरी है तो मैं जेपीसी के गठन का विरोध नहीं करूंगा। शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग की अदाणी पर रिपोर्ट के बाद से ही ग्रुप की कंपनियों में तेज उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। इस रिपोर्ट में कुछ सवाल उठाए गए थे, जिसे लेकर विपक्ष का कहना है कि जांच के लिए जेपीसी का गठन होना चाहिए। शरद पवार ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि विपक्षी दलों में मेरे दोस्त यदि जेपीसी की जांच पर अड़ते हैं तो फिर एकता की खातिर मैं उसका विरोध नहीं करूंगा। मैं उनके विचार से सहमत नहीं हूं, लेकिन यह तय करने के लिए हम विपक्ष के तौर एक हैं, मैं उनका साथ दूंगा। पर हम जेपीसी की जांच को लेकर जिद नहीं करेंगे। शुक्रवार को शरद पवार के एक बयान को लेकर खासा विवाद हो गया था और विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे। पवार ने कह दिया था कि जेपीसी के गठन का कोई अर्थ नहीं है क्योंकि समिति में भाजपा ही बहुमत में होगी और विपक्षी दल अल्पमत में रहेंगे। पवार ने कहा कि जेपीसी का गठन संसद में राजनीतिक दलों की सदस्य संख्या के आधार पर होता है।

बेहमई कांड के कुख्यात डाकू पोसा ने जेल में बीमारी से तोड़ दिया दम

कानपुर, (एजेंसी)। यूपी के चर्चित बेहमई कांड में आरोपी 85 साल के डाकू पोसा की मौत हो गई। कानपुर जेल में बंद पोसा की तबीयत सोमवार की देर रात बिगड़ गई थी। इसके बाद उसे जेल अस्पताल से जिला अस्पताल रैफर किया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने पोसा को मृत घोषित कर दिया।

बता दें कि पोसा ने 42 साल पहले खतरनाक डाकू रही फूलन देवी के साथ मिलकर बेहमई कांड को अंजाम दिया था। पोसा जेल में बंद अकेला आरोपी था। अन्य दो आरोपी जमानत पर जेल से बाहर हैं।

16 दिसंबर 2016 को पुलिस ने पोसा को बेहमई के जंगलों से गिरफ्तार कर उसे माती जेल भेज दिया था। इसके बाद से वह जेल में ही बंद था। पोसा वृद्ध और बीमार होने के कारण तारीख पर कोर्ट में भी मौजूद नहीं रह पाता था। इससे पहले 20 मार्च की रात को भी उसकी तबीयत जेल में अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती किया था।

आज का इतिहास

- **1621:** सिख गुरु तेग बहादुर का जन्म।
- **1801:** रणजीत सिंह ने खुद को पंजाब का महाराजा घोषित किया।
- **1861:** अमेरिका में गृह युद्ध शुरू हुआ।
- **1927:** ब्रिटिश कैबिनेट ने 21 वर्ष की महिलाओं को मतदान करने का अधिकार देने का समर्थन किया।
- **1961:** सोवियत संघ ने पहली बार किसी इंसान यूरी गैगरीन को अंतरिक्ष में भेजा।
- **1973:** सुडान ने अपना संविधान बनाया।
- **1981:** अंतरिक्ष यान कोलंबिया पहली बार प्रेक्षेपित किया गया।
- **1991:** खाड़ी युद्ध औपचारिक समाप्त।
- **1998:** गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल के नए प्रधानमंत्री नियुक्त।
- **2013:** फ्रांस की सीनेट ने समलैंगिक विवाह को मान्यता दी।
- **2014:** मशहूर गीतकार गुलजार को वर्ष 2013 के लिए दादासाहब फालके पुरस्कार दिया गया।

बचे पैग से शराबी बन गया कुत्ता अंततः हुआ नशामुक्त

नई दिल्ली, (ब्यूरो)। कैनाइन अल्कोहल विदड्रॉल यानी किसी पालतु कुत्ते को नशे की लत छुड़ाने के एक दुर्लभ मामले में ब्रिटेन में एक कुत्ते को नशा मुक्त करा लिया गया है। इस कुत्ते ने अपने पूर्व मालिक से शराब की लत लगा ली थी। वह मालिक के सो जाने के बाद उसकी पेग में बची शराब पी-पीकर शराबी हो गया था। नशा मुक्त होने के बाद दो साल का कोको अब शांत है। शराब की लत के लिए इलाज कराने वाला वह पहला कुत्ता बन गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इलाज के बाद अब दो वर्षीय लैब्राडोर नस्ल के कोको को उसके मालिक की मौत के बाद एक अन्य कुत्ते के साथ प्लायमाउथ, डेवोन में वुडसाइड एनिमल रेस्क्यू ट्रस्ट को सौंप दिया गया है। एनिमल वेलफेयर चैरिटी के फेसबुक पेज के मुताबिक, उनके बेहतरीन प्रयासों के बावजूद कोको के साथी दूसरे कुत्ते की मौत हो गई। ट्रस्ट के मुताबिक, जब उन्हें ट्रस्ट को सौंपा गया था, तब दोनों कुत्तों को दौरे पड़ने लगे थे। ट्रस्ट ने बताया है कि अब कोको पूरी तरह से ठीक होने के रास्ते पर है।

आरएसएस के मार्च को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को राज्य में मार्च करने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में आरएसएस की प्रस्तावित रूट यात्रा को हरी झंडी दे दी है। जस्टिस वी रामा सुब्रह्मण्यम और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने फैसला सुनाया है।

स्टालिन सरकार को मिला झटका, लगाई फटकार

सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि राज्य सरकार 6 जिलों में मार्च को इजाजत नहीं दे सकती है। क्योंकि इन इलाकों में पीएफआई और बम ब्लास्ट का खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के रुख की आलोचना की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकार किसी के लिए लोकतंत्र की भाषा बोलती है और किसी के लिए सत्ता की भाषा बोलती है। सुप्रीम कोर्ट का रुख देखते हुए उस समय आरएसएस पांच मार्च का प्रस्तावित मार्च टालने को सहमत हो गया था। तमिलनाडु सरकार ने तीन मार्च को उच्चतम न्यायालय में कहा कि वह पांच मार्च को राज्य में आरएसएस के रूट मार्च व जनसभाओं की अनुमति के खिलाफ नहीं है।

रामनवमी हिंसा के मामले पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर के कई राज्यों में रामनवमी के अवसर पर निकली शोभायात्रा के दौरान हुए दंगों से जुड़े मामले की जांच को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के तैयार हो गया है।

17 को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर 17 अप्रैल को सुनवाई तय की है। दरअसल पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और गुजरात में 30 मार्च को रामनवमी के दिन निकाले गए जुलूस के बाद दंगे हुए थे। इसे लेकर हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हिंसा प्रभावित राज्यों के मुख्य सचिवों से रिपोर्ट तलब करने की मांग की गई है।

कर्नाटक भाजपा सूची: 189 में से आठ महिलाएं, खट्टर हुए खफा

बेंग्लुरु, (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार रात कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 189 कैंडिडेट्स की लिस्ट में सिर्फ 08 महिलाएं हैं। सीएम बसवराज बोम्मई शिगगांव से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र अपने पिता के शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। अब सिर्फ 34 नामों का ऐलान होना बाकी है। सीएम बोम्मई ने कहा- दूसरी लिस्ट भी जल्द जारी होगी। मंत्री वी सोमन्ना भी दो सीटों पर अपनी किस्मत आजमाएंगे। वरुणा सीट से उनका मुकाबला कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से होगा।

भाजपा ने कहा है कि नए लोगों को मौका दिया जा रहा है। 52 नए उम्मीदवारों में 32 उम्मीदवार ओबीसी से, 30 एससी और 16 एसटी से हैं। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि 09 डॉक्टर, 31 पोस्ट ग्रेजुएट, 05 वकील, 03 अकादमिक, 01 आईएएस, 01 आईपीएस, 03 सेवानिवृत अधिकारी और 08 महिलाओं को टिकट दिया है। वहीं दूसरी ओर कर्नाटक किला फतह करने की तैयारी में जुटी भाजपा को मंगलवार को बड़ा झटका लगा। विधानसभा चुनाव से एक महीने से भी कम समय से पहले पार्टी में बड़ी बगावत हो गई है। यहां छह बार के भाजपा विधायक और मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने पार्टी का फैसला मानने से इंकार कर दिया है।

उनका कहना है कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें टिकट न देने की बात कही है और दूसरों के लिए रास्ता तैयार करने को बोला है। शेट्टार साल 2012 में कर्नाटक के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। पार्टी के पदाधिकारियों का कहना है कि पार्टी से रूठे हुए लोगों को मना लिया जाएगा। वहीं भाजपा की कर्नाटक इकाई के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा ने मंगलवार को राजनैतिक संन्यास लेने की घोषणा की।

बंगाल के बीरभूम में मिली विस्फोटक से लदी गाड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प. बंगाल के बीरभूम जिले में विस्फोटक से लदी एक संदिग्ध गाड़ी मिली है। उस गाड़ी में 17 बक्से मिले हैं जिनमें 3400 गिलेटिन स्टिक हैं। अभी के लिए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। समझने का प्रयास हो रहा है कि ये गाड़ी किसने यहां पार्क की, किस मंशा के साथ इसे यहां लाया गया। अभी तक इस संदिग्ध गाड़ी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

17 संदिग्ध बक्से बरामद, जांच शुरू

अब पश्चिम बंगाल में कहीं पर भी विस्फोटक का मिलना इसलिए मायने रखता है क्योंकि यहां पर कुछ दिन पहले ही जबरदस्त हिंसा भड़क गई थी। रामनवमी पर अलग-अलग जिलों में आगजनी और पथराव का दौर देखने को मिला था, उसे देखते हुए पुलिस भी ज्यादा मुस्तैद है और प्रशासन को भी अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। रामनवमी पर हिंसा की बात करें तो सबसे ज्यादा प्रभावित हुगली और हावड़ा रहा था। दोनों ही जिलों में सिर्फ आगजनी या पथराव नहीं हुआ, बल्कि हिंसा ने सांप्रदायिक रूप लिया था।

नई परेशानी अमेरिका में एआई के कारण जा रहीं नौकरियां, चैटजीटीपी का खुलासा

कानून के प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। की लॉन्चिंग के बाद से ही गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियां अपने चैटबॉट को डेवलप करने में लगी हैं। एआई टूल को लेकर अब तरह-तरह के दावे सामने आ रहे हैं। हाल ही में बिंग चैटबॉट ने एक शख्स से अपने प्यार का इजहार भी किया था। लेकिन अब दावा किया जा रहा है कि चैटजीपीटी ने कानून के प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सिर्फ इतना ही नहीं अमेरिका और यूरोप में एआई की वजह से वकीलों की नौकरियां जा रही हैं। ओपन एआई के एआई-संचालित चैटबॉट चैटजीपीटी ने अमेरिकी कानून के प्रोफेसर जोनाथन टर्ली पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। चैटजीपीटी ने कानूनी विद्वानों की एक सूची तैयार की है जिन्होंने कथित तौर पर किसी को परेशान किया था। यह आरोप एक मनगढ़ंत लेख पर आधारित था जिसे सबूत के तौर पर चैटबॉट ने दिखाया था। हालांकि, लेख अब मौजूद नहीं है। अपने एक ब्लॉग पोस्ट में, प्रोफेसर टर्ली ने खुलासा किया कि एक वकील ने कथित तौर पर एआई चैटबॉट से कानूनी विद्वानों की एक सूची तैयार करने के लिए कहा था, जिन्होंने एक स्टडी के रूप में यौन उत्पीड़न किया था। चैटबॉट की सूची में टर्ली का नाम शामिल था, उस पर अश्लील टिप्पणियां करने और अलास्का की एक क्लास यात्रा के दौरान एक छात्र को छूने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, प्रोफेसर का दावा है कि उसने ऐसा नहीं किया है।

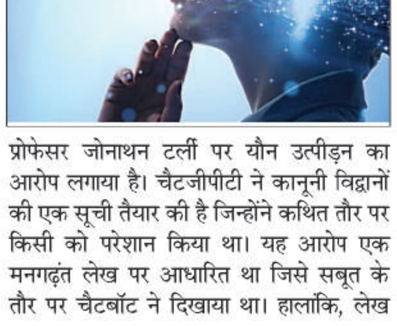

प्रोफेसर ने ट्वीट किया कि मुझे पता चला है कि चैटजीपीटी ने यौन उत्पीड़न के एक दावे पर झूठी सूचना दी थी जो मेरे खिलाफ कभी भी एक यात्रा पर नहीं किया गया था।

कर्नाटक चुनाव: पूर्व सीएम कुमारस्वामी का वादा किसान के बेटे की दुल्हन को मिलेंगे दो लाख रु

कर्नाटक विधान चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की सियासी दाव-पेच जारी है। चुनावी सभाओं में मतदाताओं को लुभाने के लिए नेता वादे भी कर रहे हैं। इस क्रम में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारास्वामी ने वादा किया है कि किसानों के बेटों से शादी करने वाली महिलाओं को दो लाख रुपए दिए जाएंगे। कर्नाटक चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी किसानों के बेटों से शादी करने वाली महिलाओं को दो लाख देगी। कुमारस्वामी का यह बयान कोलार में पंचरत्न रैली को संबोधित करते हुए आया है। उन्होंने कहा कि किसानों के बच्चों की शादी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को लड़कियों को दो लाख रुपए देने चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे एक याचिका मिली है कि लड़कियां किसानों के बेटों से शादी करने के लिए तैयार नहीं हैं। किसानों के बच्चों की शादी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को लड़कियों को दो लाख रुपए देने चाहिए। यह उन कार्यक्रमों में से एक है, जो सुरक्षा के लिए शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सीओओ बने स्टीव मूर

नई दिल्ली। वेदांता समूह की कंपनी केयर्न आयल एंड गैस ने मंगलवार को स्टीव मूर को अपना नया मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त करने की घोषणा की। इससे पहले मूर यूरोप की अग्रणी खोज और उत्पादन कंपनी (ईएंडपी) कंपनी एनर्जीन पीएलसी में तकनीकी निदेशक एवं मुख्य विकास अधिकारी थे। कंपनी ने बयान में कहा, मूर...शेल, कंटेनर शिपिंग कंपनी मर्स्क और अबू धाबी की सरकारी संपदा कोष मुबाडला इन्वेस्टमेंट में रहे हैं। उनके पास प्रौद्योगिकी, परिचालन और नेतृत्व वाली भूमिकाओं का तीन दशक से अधिक का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है।

मोबिलिटी पार्टनर बना हीरो

लखनऊ। दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प का उभरता मोबिलिटी ब्रांड वीडा, पावर्ड बाय हीरो ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का आधिकारिक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पार्टनर बनने के लिए उसके साथ भागीदारी की है। एलएसजी के आधिकारिक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पार्टनर के रूप में, वीडा का लोगो इंडियन प्रीमियम लीग (आईपीएल) के 2023 सीजन के दौरान खिलाड़ियों के हेलमेट और टोपी पर प्रमुख रूप से दिखाई देगा। जिस तरह हेलमेट बल्लेबाजों को सुरक्षा प्रदान करता है और उन्हें निडर होकर प्रदर्शन करने में मदद करता है, उसी तरह वीडा ग्राहकों को 'चिंतामुक्त ईवी ईकोसिस्टम' प्रदान कर रहा है।

कीमतें बढ़ाएगी ऑडी

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी ऑडी ने क्यू3 और क्यू3 स्पोर्टबैक की कीमतों में एक मई से 1.6 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी ने सीमा शुल्क और उत्पादन लागत में वृद्धि होने की वजह से दाम बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी ने क्यू8 सेलिब्रेशन, आरएस5 और एस5 की कीमतों में एक अप्रैल से 2.4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने एक बयान में कहा, 'हम अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करते हैं।

टोल संग्रह 21 फीसद बढ़ा

नई दिल्ली। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स का मार्च में टोल संग्रह राजस्व 20.64 प्रतिशत बढ़कर 369.9 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा है कि एक साल पहले की समान अवधि में उसका अनुषंगियों एवं संयुक्त उद्यमों समेत कुल टोल राजस्व 306.6 करोड़ रुपए रहा था। मासिक आधार पर फरवरी, 2023 की तुलना में आईआरबी का टोल संग्रह मार्च, 2023 में 5.38 प्रतिशत बढ़ा है। यह फरवरी में 351 करोड़ रुपए रहा था। राजमार्गो पर टोल बूथों का संचालन करने वाली यह कंपनी राजमार्गो के विकास से भी जुड़ी हुई है।

वीएलसीसी के नए सीईओ

नई दिल्ली। सौंदर्य एवं त्वचा देखभाल संबंधी उत्पाद बनाने वाली घरेलू कंपनी वीएलसीसी ने विकास गुप्ता को तत्काल प्रभाव से अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। वह जयंत खोसला की जगह लेंगे। वीएलसीसी ने बयान में कहा कि कार्लाइल ने दिसम्बर, 2022 में घरेलू कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया था। इससे पहले गुप्ता नायका के ईबी2बी कारोबार 'सुपरस्टोर' के सीईओ थे। वह 2019-21 के बीच वालमार्ट के स्वामित्व वाले ई-कामर्स मंच फ्लिपकार्ट के मुख्य ग्राहक एवं विपणन अधिकारी भी रह चुके हैं।

मर्सिडीज की रिकार्ड बिक्री

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने भारत में इस वर्ष यानी 2023 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4,697 वाहनों की रिकार्ड बिक्री दर्ज की है। इस दौरान कंपनी के एक करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के वाहनों की अच्छी मांग देखने को मिली है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले साल इसी तिमाही में 4,022 वाहन बेचे थे। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अपना हाइब्रिड एएमजी जीटी 63 एस ई परफार्मेंस मॉडल पेश किया है। इस मॉडल की दिल्ली में शुरुआती शोरूम कीमत 3.3 करोड़ रुपए है। इस माडल को महंगे वाहनों की बिक्री में तेजी लाने की रणनीति के तहत पेश किया गया है।(एजेंसी)

जी-20 के जरिए दुनिया में डिजिटल बदलाव की कहानी पहुंचाएगा भारत

■ इस पहल से दक्षिणी देशों के लोगों का बदलेगा जीवन ■ दुनिया में चार अरब लोगों की डिजिटल पहचान ही नहीं

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत अपनी डिजिटल बदलाव की कहानी को बाकी दुनिया तक पहुंचाने के लिए जी20 का इस्तेमाल करेगा। भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने मंगलवार को यह बात कही।

उन्होंने यहां कहा कि इस पहल से 'वैश्विक दक्षिण' (दक्षिणी देशों) में लोगों के जीवन में बदलाव आएगा। अखिल भारतीय प्रबंध संघ (एआईएमए) के 8वें राष्ट्रीय नेतृत्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर चार अरब लोग ऐसे हैं, जिनके पास डिजिटल पहचान नहीं है और ढाई अरब लोगों के पास बैंक खाता भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में 133 देश ऐसे हैं, जहां डिजिटल तेज भुगतान नहीं है। कांत ने कहा कि डिजिटलीकरण के कारण भारत नागरिकों के जीवन को बदलने और अधिक उत्पादक रूप से कुशल अर्थव्यवस्था बनने में सक्षम है। उन्होंने कहा, 'हम भारत के इस माडल को दुनिया के बाकी हिस्सों में कैसे ले जाते हैं, यह चुनौती है और इस डिजिटल बदलाव की कहानी को दुनिया के बाकी हिस्सों तक पहुंचाने के लिए जी20 का इस्तेमाल करेंगे और देखेंगे कि इस मौके का कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।'

नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा, 'वैश्विक दक्षिण में नागरिकों के जीवन को बदलने के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है।' आमतौर पर लातिनी अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और ओशनिया क्षेत्र को 'वैश्विक दक्षिण' कहा जाता है।

■ दुनिया की ढाई अरब आबादी के पास नहीं है बैंक खाता
■ 133 देशों में नहीं है डिजिटल भुगतान की कोई प्रणाली
■ इन देशों को डिजिटल बनाने का काम है एक चुनौती : कांत

"हम भारत के इस माडल को दुनिया के बाकी हिस्सों में कैसे ले जाते हैं, यह चुनौती है और इस डिजिटल बदलाव की कहानी को दुनिया के बाकी हिस्सों तक पहुंचाने के लिए जी20 का इस्तेमाल करेंगे और देखेंगे कि इस मौके का कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।"

अमिताभ कांत
जी-20 शेरपा

मुद्रा कोष ने भारत का आर्थिक वृद्धि दर अनुमान घटाकर 5.9% किया

वाशिंगटन (भाषा)।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत से घटाकर 5.9 प्रतिशत कर दिया।

आईएमएफ ने मंगलवार को कहा कि इसके बावजूद भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वैश्विक निकाय ने अपने वार्षिक विश्व आर्थिक परिदृश्य में 2024-25 के लिए वृद्धि पूर्वानुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। इससे पहले जनवरी में अनुमान जताया गया था कि यह आंकड़ा 6.8 प्रतिशत रहेगा।

अब सड़क मार्ग से दिल्ली से श्रीनगर की राह होगी आसान

■ इससे चार गुना बढ़ेगी टूरिस्ट की संख्या

जम्मू/बनिहाल (भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि दिल्ली-जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के पूरा होने के साथ सैलानियों की संख्या में चार गुना वृद्धि होगी।

गडकरी ने मंगलवार को 924 मीटर लंबी पीरा-चंदरकोट सुरंग का निरीक्षण किया। यह रामबन जिले में लगभग तीन किलोमीटर के भूस्खलन और दुर्घटना-संभावित क्षेत्र से गुजरेगी। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न सड़क परियोजनाओं का भी निरीक्षण किया। सुरंग के पूरा होने से रामबन जिले में लगभग तीन किलोमीटर के भूस्खलन और दुर्घटना-संभावित क्षेत्र में यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह तथा जनरल वीके सिंह भी मौजूद थे।

गडकरी ने सुरंग के निरीक्षण के बाद संवाददाताओं से कहा, 'अगले दो साल में इस सड़क के पूरा होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटकों की संख्या चार गुना बढ़ जाएगी। इससे केंद्र शासित प्रदेश में रिजॉर्ट्स और रेस्तरां की संख्या भी बढ़ेगी।'

मंत्री ने उम्मीद जताई कि केंद्र शासित प्रदेश में सड़क परियोजनाओं के पूरा होने के बाद विकास को गति मिलेगी, लोगों को रोजगार मिलेगा और गरीबी समाप्त होगी। उन्होंने कहा, 'राजमार्ग, जीवनरेखा की तरह है।

क्रिप्टो जोखिम से निपटने को साझा रूपरेखा चाहता है भारत

■ भारत की जी-20 अध्यक्षता में विचार-विमर्श का अहम हिस्सा रही है क्रिप्टोकरेंसी : निर्मला

वाशिंगटन (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जी20 की अध्यक्षता में भारत का लक्ष्य क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े जोखिमों से निपटने को सभी देशों के लिए एक साझा रूपरेखा बनाने का है। दरअसल हाल के समय में क्रिप्टो बाजार में बहुत उथल-पुथल देखने को मिली है। क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के धराशायी होने और उसके बाद क्रिप्टो बाजार में बिकवाली तेज होने से क्रिप्टो पारिस्थितिकी को लेकर आशंकाएं गहराने लगी हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के 'पीटरसन इंस्टिट्यूट फार इंटरनेशनल इकॉनमिक्स' में कहा, 'क्रिप्टो बाजार में भारी उथल-पुथल को देखते हुए, क्रिप्टोकरेंसी भारत की जी20 अध्यक्षता में विचार-विमर्श का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। हम सभी देशों के लिए एक साझा रूपरेखा विकसित करना चाहते हैं ताकि इस स्थिति से निपटा जा सके।'

सीतारमण ने कहा कि जी20 समूह श्रीलंका और घाना जैसे मध्यम और कम आय वाले देशों में कर्ज के दबाव को कम करने के लिए सभी देशों को एक साथ लाने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा, 'जी20 भारत को यह अवसर देता है कि वह मध्यम आय और कम आय वाले देशों में कर्ज के दबाव को कम करने के लिए सभी देशों को साथ लाए। बहुपक्षीय संस्थान कर्ज तले दबे देशों के लिए समाधान दे रहे हैं।'

वैश्वीकरण को पारदर्शी बनाने की जरूरत

वाशिंगटन (भाषा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत वैश्वीकरण से हुए लाभ को पलटने की बात नहीं कह रहा है बल्कि उसे और पारदर्शी बनाने को कह रहा है। सीतारमण ने अमेरिकी शोध संस्थान पीटरसन इंस्टिट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनमिक्स के कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमारा यह नहीं कहना है कि हमें वैश्वीकरण के लाभ को पलट देना है।

ज्यादा प्रगतिशील बने डब्ल्यूटीओ : निर्मला

वाशिंगटन (भाषा)। भारत की ऐसी आकांक्षा है कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) और प्रगतिशील बने तथा भिन्न राय रखने वाले देशों को भी महत्व दे। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जो देश अलग राय रखते हैं, डब्ल्यूटीओ को उन्हें अपनी बात रखने के पूरे मौके देना चाहिए। सीतारमण ने कहा, "मैं चाहती हूं कि डब्ल्यूटीओ और अधिक प्रगतिशील बने, सभी देशों की बात सुने और सभी के प्रति निष्पक्ष रहे।'

भारत का ध्यान लोगों को कुशल बनाने पर

वाशिंगटन (भाषा)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश के सारे लोगों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के अपने लक्ष्य को भारत ने लगभग पा लिया है और अब ध्यान उन्हें कुशल बनाने और डिजिटलीकरण पर है जिससे जीवनयापन में सुगमता तथा पारदर्शिता आ सके। सीतारमण ने कहा, 'बुनियादी सुविधाएं देने के लिहाज से हमने अपने लक्ष्य को लगभग प्राप्त कर लिया है।'

लागत मुद्रास्फीति सूचकांक अधिसूचित

नई दिल्ली (भाषा)।

आयकर विभाग ने अप्रैल 2023 से शुरू हुए वित्त वर्ष के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (सीआईआई) अधिसूचित किया है। करदाता इस सूचकांक का उपयोग अचल संपत्ति, प्रतिभूतियों और आभूषणों की बिक्री से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए करते हैं।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की एक अधिसूचना के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (आकलन वर्ष 2024-25 के लिए प्रासंगिक) 348 पर था। सामान्य तौर पर आयकर विभाग सीआईआई को जून के महीने में अधिसूचित करता है। बीते वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 331 और 2021-22 के लिए 317 था। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स में वरिष्ठ साझेदार रजत मोहन ने कहा कि आयकर विभाग ने इस वर्ष सीआईआई तीन महीने पहले ही अधिसूचित कर दिया।

इससे अब करदाता 2023-24 की पहली तिमाही में पूंजीगत लाभ पर कर की सटीक गणना कर सकेंगे और आवश्यक अग्रिम कर का भुगतान कर सकेंगे।"

मार्च तिमाही में पीई निवेश घटा

मुंबई (भाषा)।

निजी इक्विटी निवेश मार्च तिमाही में 75.4 प्रतिशत घटकर 2.2 अरब डालर रहा। वैश्विक स्तर पर आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रतिकूल रहने के बीच लगातार छठी तिमाही में गिरावट हुई है।

वित्तीय आंकड़े मुहैया कराने वाली कंपनी रिफिनिटिव ने एक रिपोर्ट में बताया कि 2.2 अरब अमेरिकी डालर के पूंजी प्रवाह के साथ यह 2018 के बाद देश में सबसे कम निजी इक्विटी निवेश है। रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेट-आधारित और कंप्यूटर साफ्टवेयर कंपनियों ने निजी इक्विटी पूंजी का सबसे बड़ा हिस्सा आकर्षित किया।

सूक्ष्म बीमा योजनाओं का बढ़ेगा दायरा

नई दिल्ली (भाषा)। वित्तीय सेवाओं के सचिव विवेक जोशी ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ बैठक में सूक्ष्म बीमा योजनाओं को बढ़ावा देने का अनुरोध किया है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये सोमवार को हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) का ग्राम पंचायत स्तर पर दायरा बढ़ाने से जुड़े अभियान के बारे में राज्यों को जानकारी दी गई।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तीन महीने तक चलने वाले इस अभियान में देश के सभी जिलों को शामिल किया जाएगा। एक अप्रैल से शुरू हुआ यह अभियान 30 जून को खत्म होगा। बैठक के दौरान सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों से इन सूक्ष्म बीमा योजनाओं के तहत पंजीकरण कराने वाले लोगों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया गया। फिलहाल पीएमजेजेबीवाई के तहत 8.3 करोड़ लोग पंजीकृत है जबकि पीएमएसबीआई में 23.9 करोड़ लोग शामिल है। इन योजनाओं के तहत 15,500 करोड़ रुपए के दावों का निपटान किया जा चुका है।

सीबीएसई को मिली कर छूट

■ परीक्षा शुल्क व पाठ्य पुस्तकों पर नहीं देना होगा टैक्स

नई दिल्ली (भाषा)। वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को परीक्षा शुल्क, पाठ्य पुस्तकों की बिक्री और प्रकाशन तथा अन्य कार्यो से होने वाली आय पर आयकर से छूट दी है। सीबीएसई को आयकर छूट पिछली तिथि से मिली है। यह छूट वित्त वर्ष 2020-21 (एक जून, 2020 से 31 मार्च 2021) और वित्त वर्ष 2021-22 तथा 2022-23 के लिए दी गई है। छूट चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष 2024-25 में भी जारी रहेगी।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि सरकार ने दिल्ली स्थित केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को आयकर अधिनियम की धारा 10 (46) के तहत अधिसूचित किया है और इसे उसकी निर्धारित आय पर आयकर भुगतान से छूट दी है। सीबीएसई का गठन केंद्र सरकार ने किया है। ऐसी आय में परीक्षा शुल्क, सीबीएसई से संबद्ध होने से जुड़ा शुल्क, पाठ्य पुस्तकों और प्रकाशनों की बिक्री, पंजीकरण शुल्क, खेल शुल्क और प्रशिक्षण शुल्क शामिल है। साथ ही, सीबीएसई परियोजनाओं/कार्यक्रमों से प्राप्त होने वाली राशि, आयकर रिफंड पर ब्याज और इस प्रकार की आय पर अर्जित ब्याज आयकर से मुक्त होगा। सीबीडीटी के अनुसार, कर छूट इस शर्त पर निर्भर है कि सीबीएसई किसी भी व्यावसायिक गतिविधि में शामिल नहीं होगा और निर्धारित आय की प्रकृति पूरे वित्त वर्ष में बदलेगी नहीं।

भारत में एपल का पहला स्टोर अगले हफ्ते

नई दिल्ली (भाषा)।

आईफोन विनिर्माता एपल ने अगले सप्ताह भारत में अपना पहला खुदरा स्टोर खोलने की मंगलवार को घोषणा की। यह दर्शाता है कि एपल के लि दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन बाजार का कितना महत्व है।

कंपनी, मुंबई में अधिकारिक तौर पर अपना पहला स्टोर 18 अप्रैल को और दिल्ली में दूसरा स्टोर 20 अप्रैल को खोलेगी। वर्तमान में, कंपनी भारत में अपने उत्पादों को विशिष्ट एपल प्रीमियम रिसेलर स्टोर (एपीआर) के अलावा रिलायंस डिजिटल, क्रोमा जैसे बड़े प्रारूप वाली खुदरा श्रृंखलाओं, बहु-ब्रांड खुदरा दुकानों और ई-कॉमर्स मंच के जरिये बेचती है। कंपनी ने कहा, 'एपल ने भारत में ग्राहकों के लिए दो नए खुदरा स्टोर खोलने की आज घोषणा की।

दवा उद्योग को आसानी से मिलेगा लाइसेंस

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के मंगलवार से शुरू हुए एकीकृत पोर्टल से दवा उद्योग को कारोबारी लाइसेंस मिलने में लगने वाले समय में कमी आने की उम्मीद है।

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने नारकोटिक्स ब्यूरो के इस एकीकृत पोर्टल की शुरुआत की। इस पोर्टल को भारत कोश, जीएसटी, पैन- एनएसडीएल वैधता, ई-संचित और आधार जैसी सरकारी सेवाओं के आंकड़ों के साथ जोड़कर विकसित किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह पोर्टल सीबीएन से लाइसेंस पाने का इकलौता सेवा केंद्र होगा। इस पोर्टल से दवा उद्योग की दक्षता एवं पारदर्शिता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। सीबीएन मादक पदार्थो और दिमाग को निष्क्रिय करने वाली दवाओं के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर नजर रखने वाला केंद्र सरकार का संगठन है।

वित्त मंत्रालय ने कहा, 'इन मादक तत्वों में औषधीय, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक उपयोग के अलावा गैरकानूनी इस्तेमाल की भी आशंका होती है। इसलिए यह संतुलन साधने की जरूरत है कि इन पदार्थो की आम लोगों के लिए उपलब्धता बनी रहे और संबंधित कानून का अनुपालन भी किया जाए।'

मंत्रालय ने कहा कि नॉरकोटिक्स ब्यूरो ने इन चुनौतियों को देखते हुए एक डिजिटल मंच शुरू करने के बारे में सोचा जो इन पदार्थो की उपलब्धता एवं कानून अनुपालन के बीच सही संतुलन साधने का जरिया बन सके।

कश्मीर घाटी में आज भी लोकप्रिय है तांगों की सवारी

■ पर्यटकों को खूब रिझाते हैं यहां के तांगे ■ फिल्मों में काम कर चुके हैं तांगों के घोड़े ■ परिवारों की रोजी का जरिया भी हैं तांगे

श्रीनगर (वार्ता)।

आधुनिक युग में परिवहन के बढ़ते साधनों के बीच जम्मू-कश्मीर में तांगे की सवारी आज भी लोकप्रिय है। तांगे के व्यवसाय से ना केवल लोग अपनी आजीविका चला रहे हैं बल्कि अपने परिजनों का जीवन-यापन कर रहे है। यहीं नहीं यहां के घोड़े कई हिंदी फिल्मों में भी काम कर चुके है जिससे उसके मालिक की भी अच्छी कमाई हो जाती है।

घोड़ा गाड़ी के मालिक गुलजार अहमद वागी ने मंगलवार को यहां कहा,'मेरा तांगा पहलगाम में ब्लॉकबस्टर हिंदी फिल्म 'बजरंगी भाईजान' की शूटिंग के दौरान इस्तेमाल किया गया था और मैं वहां पांच दिनों तक रहा और अच्छी कमाई की।'

बहरहाल, परिवहन के तेज और आरामदायक साधनों के आगमन के साथ, परिवहन का सबसे पुराना साधन माना जाने वाला घोड़ागाड़ी या 'तांगा सवारी' बहुत तेजी से घट रही है। दक्षिण कश्मीर के सरनाल अनंतनाग क्षेत्र में, तांगा सेवा अभी भी लोकप्रिय है, जो मुख्य मटन चौक से लोगों को आवागमन कराता है। गुलजार अहमद ने कहा, 'वह पिछले 35 सालों से इलाके में तांगा चला रहे है। मेरे पिता भी यही काम करते थे और मैं भी इसी काम से अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा हूं।' इन सभी वर्षो के दौरान उन्होंने कभी किसी अन्य नौकरी में जाने के बारे में नहीं सोचा।

उन्होंने कहा कि अगर यात्रा करने के लिए परिवहन के विभिन्न साधन है, फिर भी कई लोग 'तांगे' में याा करना पसंद करते है, बल्कि तांगे में यात्रा करना कुछ लोगों का शौक है। गुलजार एक व्यक्ति के लिए प्रति सवारी दस रुपए चार्ज करते है। उन्होंने कहा, 'यह एक अच्छा काम है और हम करोड़ों नहीं कमाते है, लेकिन हम अपने परिवारों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त कमाते है।'

उन्होंने कहा कि तांगा की सवारी सुरक्षित है क्योंकि दुर्घटनाओं की संभावना कम होती है और आज नए स्टाइलिश तांगे है जो सवारों के लिए आरामदायक भी है। कहा कि एक घोड़ा-गाड़ी या तांगे की कीमत कम से कम दो लाख होती है।

एआईएफ से निवेशकों को दें 'डायरेक्ट प्लान' का विकल्प : सेबी

नई दिल्ली (भाषा)।

सेबी ने खर्च में पारदर्शिता लाने और गलत तरीके से बिक्री पर लगाम लगाने के लिए वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) से निवेशकों को 'डायरेक्ट प्लान' का विकल्प देने को कहा है।

सेबी ने कमीशन वितरण के लिए चरणबद्ध माडल शुरू करने को भी कहा है और एआईएफ के निवेश से किसी निवेशक को बाहर निकलने के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए है। नियामक ने कुछ उद्योग व्यवहार के संबंध में निजी नियोजन ज्ञापन (पीपीएम) में असंगतता और पर्याप्त खुलासे की कमी के मद्देनजर ये दिशानिर्देश जारी किए है।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
लखनऊ	04	03	01	06	1.048
राजस्थान	03	02	01	04	2.067
कोलकाता	03	02	01	04	1.375
गुजरात	03	02	01	04	0. 431
चेन्नई	03	02	01	04	0.356
पंजाब	03	02	01	04	-0.281
बेंगलुरु	03	01	02	02	-0.800
मुंबई	03	01	02	02	-0.879
हैदराबाद	03	01	02	02	-1.502
दिल्ली	04	00	04	00	-1.576

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
शिखर धवन	पंजाब	03	225
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	04	209
ऋतुराज	चेन्नई	03	189
डू प्लेसिस	बेंगलुरु	03	175
विराट कोहली	बेंगलुरु	03	164

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
मार्क वुड	लखनऊ	03	09
युजर्वेद्र चहल	राजस्थान	03	08
राशिद खान	गुजरात	03	08
अर्शदीप सिंह	पंजाब	03	06
अल्जारी	गुजरात	03	06

धीमी ओवर गति के लिए बेंगलुरु के कप्तान प्लेसिस पर लगा जुर्माना

बेंगलुरु। लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान फाफ डु प्लेसिस पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल के एक अधिकारी ने बताया, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर सोमवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के 15वें मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

मुंबई ने खोला जीत का खाता

आईपीएल 2023: दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली। फॉर्म में लौटे मैन ऑफ द मैच कप्तान रोहित शर्मा (65) के अर्धशतक और तिलक वर्मा की 41 रन की पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के रोमांचक मुकाबले में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से मात देकर अंक तालिका में अपना खाता खोल लिया। रोहित शर्मा ने आईपीएल में 808 दिन बाद अर्धशतक जड़ा हैं। इससे पहले उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 2021 में 50 रन तक पहुंचे थे। दिल्ली पहले बल्लेबाजी करते हुए 172 रन पर ढेर हो गई। जबाव में मुंबई ने चार विकेट खोकर आखिरी गेंद पर हासिल करके इस सीजन में दो हार के बाद पहली जीत दर्ज की। वहीं दिल्ली को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य को पीछा करते हुए कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन ने मुंबई को तूफानी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 44 गेंद पर 71 रन की साझेदारी की। इसके बाद रोहित और तिलक ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी करके मुंबई को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया, लेकिन दिल्ली ने चार रन के अंतराल में तीन विकेट लेकर मैच में सनसनीखेज वापसी की। सूर्यकुमार खाता खोले बिना ही आउट हो गए। इसके बाद अंत में टिम डेविड और कैमरन ग्रीन ने 19 गेंद पर 30 रन की विजयी साझेदारी की। जब मुंबई को 12 गेंद में 20 रन की दरकार थी तब मुंबई ने 19वें ओवर में रहमान के विरुद्ध 15 रन जोड़ लिए। आनरिक नॉर्खिया ने आखिरी ओवर की शुरुआती चार गेंद पर सिर्फ तीन रन दिए, हालांकि टिम डेविड ने अंतिम गेंद को मिड-ऑफ की ओर खेलकर दो रन चुराते हुए मुंबई को जीत दिलाई। दिल्ली लिए मुकेश कुमार ने दो जबकि मुस्ताफिजुर रहमान ने एक विकेट लिया।

यश धुल ने किया आईपीएल डेब्यू

भारतीय टीम को अंडर-19 विश्व कप विजेता बनाने वाले कप्तान यश धुल ने दिल्ली की ओर से मुंबई के खिलाफ अपना आईपीएल डेब्यू किया। वह डेब्यू मैच में 4 गेंदों पर सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए। दिल्ली ने उन्हें 50 लाख रुपए देकर रिटेन किया हैं।

वॉर्नर के बतौर कप्तान 3000 रन पूरे

डेविड वॉर्नर बतौर कप्तान आईपीएल में 3000 रन बनाने वाले वॉर्नर 5वें खिलाड़ी बन गए हैं। वॉर्नर से पहले विराट कोहली, एमएस धोनी, रोहित शर्मा और गौतम गंभीर यह कारनामा कर चुके हैं। वॉर्नर पिछले चार मैचों में तीन अर्धशतक जड़ चुके हैं।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर कै. मेरेडिथ बो. जेसन	51	47	6/0
पृथ्वी शॉ कै. ग्रीन बो. शौकीन	15	10	3/0
मनीष पांडे कै. जेसन बो. चावला	26	18	5/0
यश धुल कै. वढेरा बो. मेरेडिथ	02	04	0/0
पॉवेल पगबाधा चावला	04	04	1/0
ललित यादव बो. चावला	02	04	0/0
अक्षर पटेल कै. खान बो. जेसन	54	25	4/5
पोरेल कै. ग्रीन बो. जेसन	01	03	0/0
कुलदीप यादव रन आउट	00	01	0/0
अनरिख नोर्त्जे बो. मेरेडिथ	05	03	1/0
मुस्तफिजुर रहमान नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 11, **कुल:** 19.4 ओवर में 172 रन पर ऑलआउट **विकेट पतन:** 1-33, 2-76, 3-81, 4-86, 5-98, 6-165, 7-166, 8-166, 9-166, 10-172 **गेंदबाजी:** जेसन बेहरनडॉर्फ 3-0-23-3, अरशद खान 1-0-12-0, कैमरन ग्रीन 3-0-30-0, ऋतिक शौकीन 4-0-43-1, रायली मेरेडिथ 3.4-0-34-2, पीयूष चावला 4-0-22-3, तिलक वर्मा 1-0-7-0,

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा कै. पोरेल बो. रहमान	65	45	6/4
ईशान किशन रन आउट	31	26	6/0
तिलक वर्मा कै. पांडे बो. मुकेश	41	29	1/4
सूर्यकुमार कै. कुलदीप बो. मुकेश	00	01	0/0
टिम डेविड नाबाद	13	11	0/1
कैमरन ग्रीन नाबाद	17	08	1/1

अतिरिक्त: 6 **कुल:** 20 ओवर में चार विकेट पर 173 रन **विकेट पतन:** 1-71, 2-139, 3-139, 4-143, **गेंदबाजी:** मुकेश कुमार 2-0-30-2, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-38-1, अनरिख नोर्त्जे 4-0-35-0, ललित यादव 4-0-23-0, अक्षर पटेल 4-0-20-0, कुलदीप यादव 2-0-23-0,

दिल्ली के लिए अक्षर पटेल और वॉर्नर ने जड़े अर्धशतक

मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और दिल्ली शुरुआती ओवरों में आक्रामक नजर आयी। पृथ्वी शॉ (15) के आउट होने के बाद मुंबई के स्पिनरों ने वॉर्नर को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। मनीष पांडे (26 रन) और वॉर्नर के बीच दूसरे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी हुई, जिसे पीयुष चावला ने मनीष को आउट करके तोड़ा। मनीष के आउट होने के बाद रोवमैन पॉवेल (चार रन), ललित यादव (दो रन) और यश धुल (दो रन) जल्दी आउट हो गए। लगातार गिरते विकेटों के बीच वॉर्नर चट्टान की तरह खड़े रहे और 13वें ओवर से उन्हें अक्षर का साथ मिल गया। अक्षर ने वॉर्नर के साथ 67 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दिल्ली 18 ओवर में 165 रन के स्कोर तक पहुंच गयी, लेकिन 19वें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर के आउट होते ही विकेटों की झड़ी लग गयी। मुंबई के लिए पीयूष चावला और जेसन बेहरनडॉर्फ ने तीन-तीन विकेट लिए

राजस्थान रॉयल्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से आज

चेन्नई। शानदार फॉर्म में चल रहे राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से उसके गढ चेपॉक स्टेडियम पर होगा जिसमें उसके धुरंधर स्पिनरों से निपटने की चुनौती आसान नहीं होगी।

इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान बटलर और भारत के युवा बल्लेबाज जायसवाल दो दो अर्धशतक जमा चुके हैं। बटलर का स्ट्राइक रेट 180.95 और जायसवाल का 164.47 रहा है। रॉयल्स ने अभी तक तीन में से दो मैच गुवाहाटी में खेले जहां उन्हें सपाट पिच मिली। हैदराबाद की पिच भी बल्लेबाजों की मददगार थी। अब चेन्नई में पिच धीमे गेंदबाजों की मददगार होगी। ऐसे में टॉस की भूमिका अहम होगी क्योंकि इस पिच पर 170 या 175 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा। खास तौर पर जब सामने मोईन अली, रविंद्र जडेजा और मिशेल सेंटनेर जैसे गेंदबाज हों। तीनों अभी तक तीन मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं और उनका इकॉनामी रेट बहुत शानदार रहा है। मोईन ने दो मैचों में 6.50 की औसत से गेंदबाजी की जबकि जडेजा और सेंटनेर ने भी प्रति ओवर सात से कम रन दिए हैं। मोईन खाद्य संक्रमण के कारण पिछला मैच नहीं खेल सके थे लेकिन अब वह सिसांडा मगाला की जगह खेलेंगे। वहीं बेन स्टोक्स के फिट नहीं होने पर उनकी जगह ड्वेन प्रिटोरियस लेंगे।

बटलर और यशस्वी जायसवाल पर होंगी राजस्थान की नजरें

रॉयल्स के स्पिनरों को भी हलके में नहीं लिया जा सकता। चतुर गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का यह घरेलू मैदान है और युजवेंद्र चहल भी मैच विनर गेंदबाज हैं। तमिलनाडु के मुरूगन अश्विन भी टीम में हैं। चेन्नई को दीपक चाहर की कमी खलेगी जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं । देखना यह है कि धोनी अब राजवर्धन हंगरगेकर और सिमरजीत सिंह में से किसे चुनते हैं। बल्लेबाजी में अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने चेन्नई के लि ए पदार्पण करते हुए अपनी उपयोगिता साबित कर दी। ऋतुराज गायकवाड़ शीर्षक्रम पर लगातार अच्छा खेल रहे हैं। दोनों टीमों के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है जिससे कल का मुकाबला रोचक रहने की उम्मीद है। रॉयल्स के पास कप्तान संजू सैमसन और शिमरोन हेटमायेर जैसे आला बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी में ट्रेंट बोल्ट और जैसन होल्डर के पास अनुभव है।

एलएनसीटी ने आरडीएक्स को 5-0 से हराया

भोपाल। रायसेन रोड लक्ष्मी नारायण कॉलेज आफ टेक्नोलॉजी में 6वीं इंजीनियर ओलंपिक खेलों का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर खेले गए सिक्स ए साइड फुटबॉल में एलएनसीटी ने आरडी एक्स को 5-0 से हराया जबकि एसआईआरटी ने वारियर्स को 2-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। दूधिया रोशनी में खेले जाने वाली इस प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, शतरंज, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, कैरम, रस्साकशी एवं गली क्रिकेट खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के लगभग 2800 से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्पोर्टस डायरेक्ट पंकज जैन ने बताया कि एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ अनुपम चौकसे के जन्मदिन के अवसर पर एलएनसीटी गप द्वारा विभिन्नखेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर इसे इंजीनियर ओलंपिक के रूप में सेलिब्रेट करता है यह आयोजन लगातार 6 वर्षों से प्रतिवर्ष जारी है। एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे ने सभी खिलाड़ियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम अपना जन्मदिन मनाया एवं सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

एशियाई चैंपियनशिप में निशा दहिया ने जीता रजत

फाइनल मैच में हारीं, प्रिया को मिला कांस्य

अस्ताना। भारतीय पहलवान निशा दहिया ने एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में मंगलवार को जापान की आमी इशी से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया।

विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता इशी ने 68 किग्रा वर्ग के फाइनल में भारतीय पहलवान को चित्त करके 10-0 से मात दी। इससे पूर्व, निशा ने चीन की फेंग झोऊ के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनायी थी। एशियाई चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहीं निशा सेमीफाइनल में एक समय पर 3-6 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए फेंग को 7-6 से हराया। इससे पूर्व उन्होंने क्वार्टरफाइनल में मंगोलिया की डेलगर्मा एंखसाईखान को मात दी थी। इसी बीच, निशा की हमवतन प्रिया (76 किग्रा) ने कांस्य पदक मुकाबले में जापान की मिजुकी नागाशीमा को 2-1 से हराया। नीलम ने भी 50 किग्रा के कांस्य पदक मुकाबले में जगह बनायी थी, लेकिन उन्हें जापान की रेमिना योशीमोतो के हाथों 8-0 की हार का सामना करना पड़ा। सीतो (50 किग्रा) और सरिता मोर (59 किग्रा) पदक दौर में जगह बनाने में नाकाम रहीं। सीतो हमवतन पहलवान मरीना सेकनेवा से पहले दौर में हार कर बाहर हो गयी। सरिता ने मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू को 4-1 और जापान की यूई सकानो को 6-1 से हरा कर शानदार आगाज किया लेकिन तीसरे दौर में चीन की पहलवान झूओमलगा के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

इंडियन ग्रां प्री-3: हिमा दास, मुरली श्रीशंकर व ज्योति याराजी ने जीते स्वर्ण

बेंगलुरु। भारत की स्टार धाविका हेमा दास ने बेंगलुरु में इंडियन ग्रां प्री 3 में महिलाओं की 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता। वहीं मुरली श्रीशंकर ने एथलेटिक्स मीट में ऊंची कूद में पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

हालांकि, दोनों एशियाई खेलों 2023 के लिए क्वॉलीफाइंग मानकों को तोड़ने में काफी पीछे रह गए। ऊंची कूद में भाग लेने वाली भारत की रुबीना यादव ने इस साल के अंत में चीन के हांग्जो में होने वाली आगामी महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहने के बावजूद स्वर्ण पदक जीता। रुबीना यादव ने 1.81 मीटर (एएफआई) की छलांग के साथ महिलाओं की ऊंची कूद इवेंट योग्यता स्तर के लिए एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 1.80 मीटर के निशान को तोड़ दिया। ज्योति याराजी ने 100 मीटर बाधा दौड़ में एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई किया। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक (12.82 सेकेंड) ने 13.44 सेकेंड के समय में दौड़ पूरी की। श्री कांटेरावा स्टेडियम में, उन्होंने 13.63 सेकेंड के क्वॉलीफाइंग मानक को हराया। तेजस शिरसे और रागुल कुमार ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ पटकथा लिखी। तेजस ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में और रागुल ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में हिस्सा लिया। तेजस को बाधाओं में एक व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ मिला। रागुल कुमार को 400 मीटर दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ मिला।

मप्र की महिला क्रिकेटर का ब्लाइंड टीम में चयन

पहली महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम का गठन

नई दिल्ली। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया सीएबीआई ने भारत की पहली 17 सदस्यीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की घोषणा की जिसमें मध्य प्रदेश की सुषमा पटेल दमोह एवं प्रिया कीर नर्मदा पुरम का चयन हुआ। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम अपने पहले ऐतिहासिक दौरे पर 25 से 30 अप्रैल के बीच पांच टी20 मैच खेलेगी। मध्य प्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि सुषमा पटेल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है एवं मध्य प्रदेश की कृतिका चारवे भारतीय टीम की कोच बनकर टीम के साथ जाएगी। सीएबीएमपी अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इन्हें मध्य प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया जिसमें भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की पहली कप्तान मध्य प्रदेश से होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सोनू गोलकर ने खुशी जताते हुए बताया कि हमारे लिए गौरव का क्षण है पिछले 2 वर्षो से हमारे प्रदेश की टीम राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करती आ रही थी जिसका हमें सुखद परिणाम मिला।

अंकिता रैना ने भारत को बिली जीन किंग कप में जीत दिलाई

ताशकंद। अनुभवी अंकिता रैना ने एक मैच में जीत दर्ज करने के बाद बाद रुतुजा भोसले के साथ मिलकर निर्णायक युगल मुकाबले में जीत दर्ज कर भारत को बिली जीन किंग कप टेनिस टूर्नामेंट में शुरुआती दिन एशिया-ओसियाना ग्रुप ए के मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस मुकाबले के शुरुआती मैच में रुतुजा को लुक्सिका कुमखुम से 2-6 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारत 0-1 से पिछड़ गया। मुकाबले में भारत की वापसी का दारोमदार अंकिता पर था और उन्होंने निराश नहीं किया। एकल मुकाबले में उन्होंने पींगटर्न प्लिप्यूच को 5-7 6-1 6-3 से हराकर भारत की उम्मीदों को जीवित कर दिया। निर्णायक युगल मुकाबले में अंकिता और रुतुजा की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए थाईलैंड की कुमखुम और प्लिप्यूच की जोड़ी को 4-6 6-3 6-2 से मात दी।

बार्सिलोना ने गिरोना से खेला गोलरहित ड्रॉ

ला लिगा लीग: बार्सिलोना ने शीर्ष पर 13 अंकों की बढ़त ली

मैड्रिड। बार्सिलोना को स्पेनिश फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा लीग में गिरोना के साथ मैच गोलरहित ड्रॉ खेलना पड़ा। इससे पहले बार्सिलोना को कोपा डेल रे सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड के खिताफ भी हार मिली थी। ड्रॉ के बाद बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त 13 अंक की कर दी है जबकि अभी 10 मैच बचे हुए हैं। उसे सोमवार को वापसी करने की उम्मीद थी लेकिन गिरोना की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसके अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों की एक नहीं चली। बार्सिलोना ने इस सत्र में ला लीगा के जो 14 मैच अपने घरेलू मैदान पर खेले हैं उन्हें वह अभी तक अजेय रहा है। विक्टर त्स्यगांकोव ने शुरुआती मिनट में गिरोना के लिए सिर्फ वाइड फायर किया, जबकि लेवांडोव्स्की और जीवंत अंसु फती ने दूसरे छोर पर सिर्फ व्यापक प्रयास किए।

थिएम, मिनौर व वावरिंका ने दूसरे दौर में जगह बनाई

मोंटे कार्लो। पूर्व वर्ल्ड नंबर-3 ऑस्ट्रिया के 29 वर्षीय डोमिनिक थिएम, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर स्विट्जरलैंड के पूर्व चैंपियन स्टेनिस्लास वावरिंका ने अपने-अपने ओपनिंग मुकाबले जीतकर मोंटे कार्लो मास्टर्स के दूसरे दौर में जगह बनाई।

थिएम ने फ्रांस के रिचर्ड गास्के को एक घंटे 29 मिनट में 6-1, 6-4 से हराकर 2021 के बाद एटीपी मास्टर्स में पहली जीत हासिल की। उन्हें इस स्तर पर अपने पिछले पांच मैचों में हार मिली। थिएम कलाई की चोट से पहले मई 2021 में मार्टन फुकसोविक्स को रोम में हराया था। थिएम ने मैच में 18 विनर्स लगाते हुए जीत हासिल की और गास्के के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3-2 पहुंचा दिया। उन्होंने गास्के से पिछले तीन मुकाबले जीते हैं। थिएम का अगला मुकाबला छठी सीड होल्गर रुने से होगा। अन्य मैचों में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने पहले राउंड में तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता एंडी मरे को 86 मिनट में 6-1 6-3 से शिकस्त दी। मनौर ने सत्र की 13वीं टूर स्तर की जीत के बाद मरे के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3-0 पहुंचा दिया है। मिनौर का अगला मुकाबला जर्मनी के जान- लेनार्ड स्टफ से होगा जिन्होंने स्पेन के अलबर्ट रामोस-विनोलास को 6-4, 6-3 से हराया। पूर्व चैंपियन स्टेनिस्लास वावरिंका ने हॉलैंड के टेलन ग्रीक्सपुर को तीन सेटों में 5-7, 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। दूसरे दौर में वावरिंका की भिड़ंत अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगी।

मोंटे कार्लो मास्टर्स: मरे, गास्के और रामोस हारे

जोकोविच, ज्वेरेव व दिमित्रोव भी जीते

सर्बिया के नोवाक जोकोविच, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और ग्रिगोर दिमित्रोव ने भी अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच ने क्वॉलीफायर इवान गाखोव को 7-6, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। ज्वेरेव ने पहले दौर में अलेक्जेंडर बुबलिक को 3-6, 6 -2, 6 -4 से हराया। 13वीं वरीयता प्राप्त जर्मनी के ज्वेरेव पिछले साल फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में दाहिने टखने की चोट के कारण कोर्ट छोड़ने के बाद से पहली बार क्लेकोर्ट पर खेल रहे हैं । दो बार सेमीफाइनल में पहुंचे ग्रिगोर दिमित्रोव ने अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-1, 3 -6, 6-3 से मात दी। अब उनका सामना चेक गणराज्य के जिरि लेहेका से होगा।

संस्कृति

डा. रमाकांत सोनी

अनेक घटकों का केन्द्र घोटुल

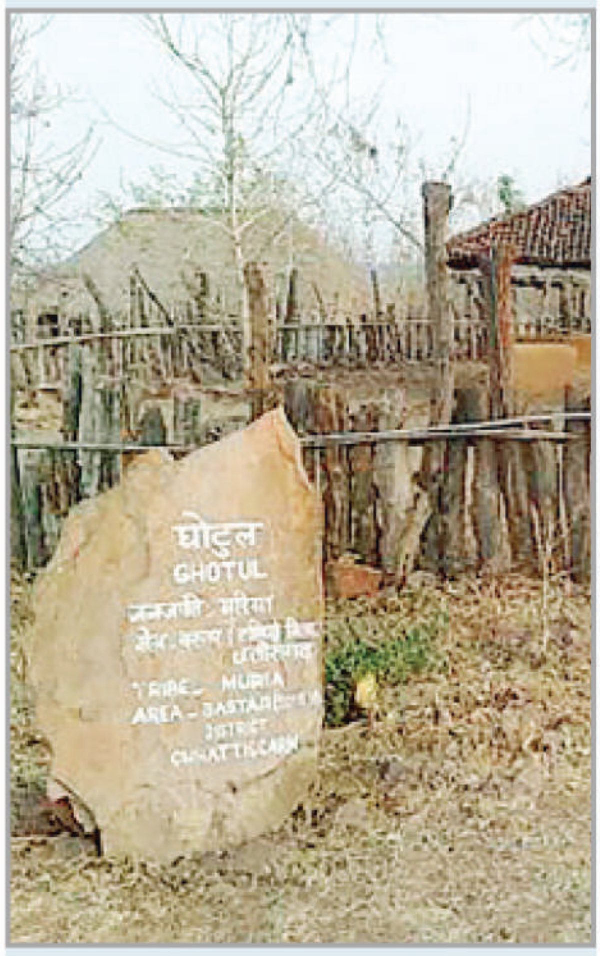

आदिवासी अंचलों में स्थापित घोटुल के प्रमुख आराध्य लिंगोपेन हैं, जिन्हें हम भगवान नटराज के रूप में जानते हैं। इन्हीं की कृपा से घोटुल के सदस्य संगीत कला में सफलता अर्जित करते हैं, किन्तु घोटुल में इनकी कोई मूर्ति स्थापित नहीं की जाती। आदिवासी इन्हें निराकार रूप में मानते हैं। बताया जाता है कि दुगाल मरका में चेलिक का घोटुल था और वहां से एक मील (दो किमी) की दूरी पर स्थित अहकनार गांव में मोटियारी (कैना) का घोटुल था। दोनों गांवों के बीच दलदल था, जिसे पार करके कैना राव से मिलने मैदान में जाती थी। दोनों वहां खेलते थे और रात अधिक होने पर वापस लौटकर अपने अपने घोटुल में चले जाते थे। यह कहा जाता है कि दलदल में फंसकर कैना की मृत्यु हो गई। इसके बाद यहां गांवों में घोटुलों की स्थापना हो गई। यहां लड़के तथा लड़कियां सम्मिलित रूप से रात्रि एक साथ रहने लगे। इस तरह घोटुल श्रमनिष्ठ, अनुशासन, मनोरंजन धर्मी कला केन्द्र तथा बहुमुखी प्रशिक्षण का एक प्रशंसनीय प्रतिष्ठान है, जिसकी विभिन्न अवसरों पर अपनी सामाजिक गतिविधियों के योगदान में विशिष्ट भूमिका होती है।

पुस्तक समीक्षा

आखर के अरघ

कृति के नाव: आखर के अरघ

कृतिकार: सरला शर्मा

समीक्षक: कमल नारायण

प्रकाशक: वैभव प्रकाशन रायपुर

कीमत: एक सौ रूपए

छत्तीसगढ़ म गद्य लेखन के कमी महसूस होवत रहिथे। ऐ कमी ल पूरा करे के प्रयास कृति आखर के अरघ म दिखत हे। कृतिकार ह सुलझे हुए रूप म समाज म ज्वलंतशील मुद्दा ल उठाए के अच्छा प्रयास अपन कृति म करे हावें। आप मन ऐ कृति म मोहरी के धुन अउ भासा के गुन, शिक्षा, आंसू मं भींजे तिरंगा, पाती फूफू के नाव, मया के डोरी महतारी के लोरी जइसे शीर्षक ले समाज के चित्रण करे हव। पाठक मन पढ़ही त अइसन मुद्दा समाज बर कतका महत्वपूर्ण हे तेनला सुघ्घर ढंग ले जाने अउ समझे बर मिलही।

हमर गांव देहात म काकरो घर होवैय्या बर बिहाव ल घर के मुहाटी म दू ठन लाम लाम दस बारा हाथ के गड़े बांस के मड़वा ल देख के पता हो जथे कि इंकर घर बिहाव होय हवे। ये मड़वा म कांसी के फोंक फुलगी ल लपटाय रहिथे। ऐ मंडप म चिरईजाम, डूमर या नीम के डार घलो होथे। येकर छइहां ले ठंडक महसूस होथे। मंडप अउ घर के मुहाटी म आमा पान के तोरन बड़ सुघ्घर लागथे। येहा बिहाव घर के सोभा बढ़ाथे। दुल्हा दुल्हिन के माथ म बंधाय मउर छिंद पेड़ के पाना ले बने होथे। नरियर अउ सुपारी पेड़ के ही भाग आय।

बर बिहाव म रूखराई

परंपरा : टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

छत्तीसगढ़ अंचल म प्रकृति पूजा ल कोनो न कोनो रूप म महत्व दे जाथे। गंवई म होवैय्या बर-बिहाव ह तो पूरा पूरा प्रकृति म ही आधारित होथे। सरी नेंग ल हमन प्रकति म जिए जिथन बिहाव बखत। येकर ले हमन ल प्रकृति संरक्षण के सीख घलो मिलथे। त ये मेर देखन हमन रूखराई के कतका महत्ता होथे बर-बिहाव म।

हमर गांव देहात म काकरो घर होवैय्या बर बिहाव ल घर के मुहाटी म दू ठन लाम लाम दस बारा हाथ के गड़े बांस के मड़वा ल देख के पता हो जथे कि इंकर घर बिहाव होय हवे। ये मड़वा म कांसी के फोंक फुलगी ल लपटाय रहिथे। ऐ मंडप म चिरईजाम, डूमर या नीम के डार घलो होथे। येकर छइहां ले ठंडक महसूस होथे। मंडप अउ घर के मुहाटी म आमा पान के तोरन बड़ सुघ्घर लागथे। येहा बिहाव घर के सोभा बढ़ाथे। दुल्हा दुल्हिन के माथ म बंधाय मउर छिंद पेड़ के पाना ले बने होथे। नरियर अउ सुपारी पेड़ के ही भाग आय। मड़वा छुववनी नेंग म भरवाकाड़ी के उपयोग होथे। पोनी के बाती घलो कपसा पेड़ ले मिलथे। गोधूलि बेला में टिकावन भांवर बखत सकोचार म हवन के लकड़ी आमा बर बेल फुड़हर चिरचिरा बोइर पीपर के उपयोग होथे। बिहाव में चूल्हा के लकड़ी ले लेके दुल्हा दुल्हिन के संवागा सिंगार तक रूखराई अउ वोकर सबो भाग के कहीं न कहीं कुछु न कुछु उपयोग जरूर होथे।

डोंगरगढ़ के राजा थे रतनदास

ऐतिहासिक : कृष्णा रंजन

छत्तीसगढ़ अंचल का हर कोना ऐतिहासिक तथ्यों से भरा है, इन्हें जानने और समझने कई रोचक तथ्य हमारे सामने नजर आने लगते हैं जो कि हमें अतीत को स्मरण कराने के लिए काफी होते हैं। इसी कड़ी में राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ वि. ख. के इतिहास को देखें तो पता चलता है कि कोनसर रिजर्ड जेकिन्स (रेजिडेन्ट) ने राज्य विद्रोह के अपराध में डोंगरगढ़ के राजा घासीदास को पदमुक्त कर दिया था। किन्तु सन 1837 ई. में सर रिचर्ड जेकिन्स को नागपुर से अन्यत्र जाना पड़ा इसका लाभ उठाया डोंगरगढ़ के भूतपूर्व राजा घासीदास के भ्राता रतनदास ने। रतनदास गायन विद्या में निपुण थे। नागपुर जाकर उन्हें

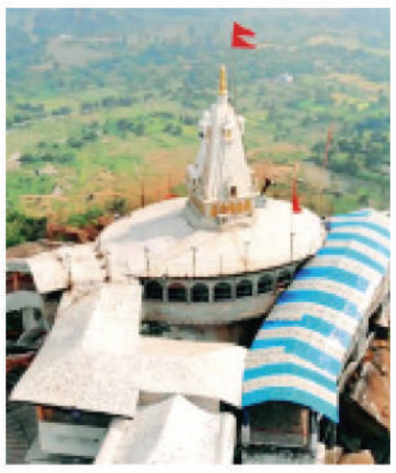

रेजिडेन्ट की अनुपस्थिति में महाराजा नागपुर बाजीबा (रघ्घोजी तृतीय) को अपने संगीत जौहर से अत्यंत प्रसन्न कर लिया। रतनदास ने नागपुर महाराजा का साथ नहीं छोड़ा। महाराजा ने दोनों नरेशों को नागपुर आमंत्रित कर रतनदास को पुरस्कार मांगने के लिए कहा। रतनदास अवसर की तलाश में था। उन्होंने तत्काल डोंगरगढ़ और सिंगारपुर (राजनांदगांव और खैरागढ़) के राज्य को पुनः प्राप्त करने की प्रार्थना की। महाराजा नागपुर ने यह प्रार्थना स्वीकार कर ली। डोंगरगढ़ के भूतपूर्व राजा घासीदास को बंदी बनाकर नागपुर के दरबार में प्रस्तुत करने तथा पुरस्कार में खैरागढ़ तथा राजनांदगांव के राजा को डोंगरगढ़ राज्य का अधिकार प्रदान किया गया था।

धार्मिक महत्व के स्थलों में गढ़भेड़ा बाबा

गांव की कहानी : सतीश शर्मा

राष्ट्रीय राजमार्ग धमतरी से 5 किमी पूर्व दिशा में ग्राम सिर्री के समीप गढ़भेड़ा बाबा धाम स्थित है। इसके समीप के तालाब को गढ़भेड़ा तालाब कहा जाता है। तालाब में कमल पुष्प सुंदरता बढ़ाते हैं। इस तालाब का पानी कभी नहीं सूखता। बताया जाता है कि अठारहवी शताबादी के मध्य यह तालाब का यह स्थल किसी जमींदार का खलिहान था। इसी स्थल पर एक टीले में तपस्वी तपस्या करते अचनाक अदृश्य हो गया। इसके बाद से इस टीले को चमत्कार मानकर ग्रामीण पूजा अर्चना करने लगे, तब से आज तक इस स्थली की महत्ता लगातार बढ़ती जा रही है। यहां स्थित बहेड़ा पेड़ की अपनी विशेषता है। इस स्थल को मंदिर का स्वरूप दिया गया है। कहा जाता है कि गढ़भेड़ा बाबा भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं। इस स्थल पर अब अनेक मंदिर निर्माण हो चुके हैं। वर्ष भर अनेक धार्मिक आयोजन इस स्थल पर होते रहते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेले का आयोजन किया जाता है। गांव में किसी भी धार्मिक कार्य होने पर गढ़भेड़ा बाबा मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद ही आयोजित करते हैं।

लोक साहित्य

डा. सत्यभामा आडिल

आंचलिक लोकगाथा की विशेषताएं

आंचलिक लोक कथाएं किसी न किसी कहानी को लेकर चलती हैं। मूलतः यह कहानियां ही हैं पर गेय है। अतः गीत का आनंद इनमें मिलता है जिससे कहानी और भी रोचक हो जाती है। नारी कथा गीतों में अहिमन रानी, केवला रानी, रेवा रानी गीत, सरवन गीत, फुलबासन देवी गाथा, ढोला मारू, लोरिक चंदा और कल्याण साय गाथा प्रमुख है। इन गीतों में नारी की वीरता या पतिव्रता धर्म तथा असत्य की पराजय का उल्लेख मिलता है।

छत्तीसगढ़ी जनपद के प्रायः समस्त प्रधान लोकगीतों में किसी न किसी रूप में लोकगाथा का समावेश रहता है। इसके अंतर्गत नारी गीतों में सुआ, भोजली तथा देवी गीतों में डंडा और पंडवानी में भी लंबी कथाएं वर्णित रहती हैं। अन्य कथाओं में ढोला, चंदावीर सिंह तथा सरवन की कथा प्रमुख है। इन लोक गाथाओं का निर्माण काल मध्य युग है। अतः तत्कालीन परिस्थितियों का चित्रण भी इसमें मिलता है। कथा के नायकों में वीरता की मात्रा भरपूर है तथा उनका व्यक्तित्व भी उन्नत है। वीरता स्त्रियों का प्रधान गुण माना गया है। आंचलिक लोक कथाएं किसी न किसी कहानी को लेकर चलती हैं। मूलतः यह कहानियां ही हैं पर गेय है। अतः गीत का आनंद इनमें मिलता है जिससे कहानी और भी रोचक हो जाती है। नारी कथा गीतों में अहिमन रानी, केवला रानी, रेवा रानी गीत, सरवन गीत, फुलबासन देवी गाथा, ढोला मारू, लोरिक चंदा और कल्याण साय गाथा प्रमुख है। इन गीतों में नारी की वीरता या पतिव्रता धर्म तथा असत्य की पराजय का उल्लेख मिलता है। सत्य का पक्ष देवी-देवताओं द्वारा लिया गया है। वे न्याय की सहायता करते हैं और विजय दिलाते हैं। इनमें करूण रस प्रधान्य है।

खण्डेराव

भोंसलों के शासनकाल में महाराष्ट्र से आकर खण्डेराव छत्तीसगढ़ में बस गए, जो महाप्रभु वल्लाभाचार्य के पुष्टि मार्ग से प्रभावित थे। भोंसलों के सूबेदारों के शासन काल में छत्तीसगढ़ में शोषण और उत्पीड़न का वातावरण बना हुआ था। सूबेदारों के इस कुशासन से कवि खाण्डेराव बहुत दुखी थे। उनका यह दुख उनकी कृतियों में प्रतिबिंबित हुआ है। उन्होंने बड़ी निर्भीकता के साथ उस समय के कुशासन की कटु आलोचना की है। खण्डेराव की दो कृतियां प्रमुख रूप से उपलब्ध है-राधा विनोद और भक्त विरूदावली। राधा विनोद श्रीमद भागवत के दशम स्कंध पर आधारित खंड काव्य की रचना 1866 में की थी। राधा विनोद ग्रंथ को देखने से स्पष्ट होता है कि यह उनकी प्रौढ़ावस्था की कृति है, जिसमें राधा कृष्ण की लीलाओं का वर्णन है। तत्कालीन सत्ताधीशों और उनकी व्यवस्था का वर्णन कवि ने इन शब्दों में किया है-

सो कलि मत भयो जनम हमारा। तेहि अवगुन कहि लहेउ न पारा।।
तदपि कछुक बरनौ कलि करनी। प्रथम हिं चाल भूप कई बरनी।।

वे संस्कृत के भी विद्वान थे। उन्होंने हिन्दी तथा संस्कृत के छंदों का बड़ी कुशलता के साथ प्रयोग किया है। दोहा-चौपाई आपके प्रिय छंद रहे हैं। आपकी कविताओं में यत्र-तत्र छत्तीसगढ़ी के ठेठ शब्दों का सटीक प्रयोग भी है।

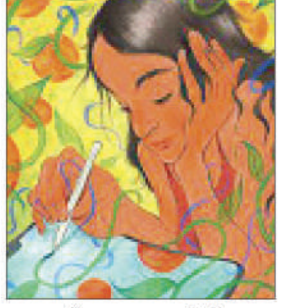

सुरताः डा. सुशील त्रिवेदी

नई शिक्षा नीति के अनुसार "मैनेजमेंट और प्रोफेशनल एंड लाइफ स्किल्स सर्टिफिकेट कोर्स" को डिग्री के साथ जोड़कर छात्राओं को रोजगार के लायक बनाए जाने की शुरूआत कर रहा

प्रखर रामनगर वाराणसी। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय, डोमरी, रामनगर वाराणसी में मैनेजमेंट की दूरदर्शिता का ही प्रभाव है कि नई शिक्षा नीति के अनुसार "मैनेजमेंट और प्रोफेशनल एंड लाइफ स्किल्स सर्टिफिकेट कोर्स" को डिग्री के साथ जोड़कर छात्राओं को रोजगार के लायक बनाए जाने की शुरूआत कर रहा है। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय, डोमरी, रामनगर ने ऐडटेक कंपनी यंग स्किल्ड इंडिया के लिए एक एमओयू साइन किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय शंकर मिश्र ने बताया कि यह 90% प्रैक्टिकल, केस स्टडी बेस्ड,उच्च गुणवत्ता युक्त किफायती और उन्नत तकनीकी से युक्त सजीव ऑनलाइन कक्षाएं है। जिन्हें मैनेजमेंट प्रोफेसर और इंडस्ट्री विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाया जाएगा। जिनमें सेल्स, मार्केटिंग, एचआर,फाइनेंस इत्यादि में महिलाओं और युवाओं को रोजगार देने के लिए स्पेशलाइजेशन है। प्रोफेशनल एंड लाइफ स्किल्स सर्टिफिकेट कोर्स जिनमें इंग्लिश कम्युनिकेशन, प्रेजेंटेशन स्किल्स, सेल्फ कॉन्फिडेंस, प्रॉब्लम सॉल्विंग, डिसीजन मेकिंग, जॉब इंटरव्यू स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स, इत्यादि चीजें सिखाई जाएंगी। इन स्किल्स के कारण उन्हें कोर्स के तुरंत बाद नौकरी प्राप्त करने या आवेदन करने में मदद मिलेगी। यह नई पीढ़ी का निर्माण करेगी जो रोजगार के लिए बहुत जरूरी तेजी और जरूरी मानसिकता के साथ तैयार रहेगी। यह कोर्स अत्यधिक सस्ता और किफायती है। कोर्स की अवधि 6 माह की होगी। अचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय, रामनगर, एडटेक कंपनी यंग स्किल्ड इंडिया के प्रोग्राम "मैनेजमेंट सर्टिफिकेट कोर्स" को अपने सभी विभागों में आगे बढ़ाने का प्रयास वर्कशॉप /वेबीनार /सोशल मीडिया कैंपेनिंग द्वारा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए करेगा।यंग स्किल्ड इंडिया के संस्थापक और सी.ई.औ नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि "प्रबंधन कौशल" सीखने के बाद युवाओं और महिलाओं में नए आत्मविश्वास का संचार होगा और वह स्वयं को रोजगार पाने और स्टार्टअप के माध्यम से दूसरों को रोजगार देने में सहायता कर पाएंगे। इस कोर्स को स्नातक और परास्नातक कोर्स में जोड़ने से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ जाएगी और एनएएसी और यूजीसी की अपेक्षा के अनुसार 75% युवाओं को रोजगार के लिए तैयार किया जा सकता है।यंग स्किल्ड इंडिया के संस्थापक और सी.ई.औ नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि वैश्विक बेरोजगारी के पीछे मूल कारण उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं और महिलाओं के बीच उनकी नियमित डिग्री के अलावा "प्रबंधन कौशल" की कमी है, यह एक बुनियादी आवश्यकता है जो सभी नौकरियों के लिए अनिवार्य है। स्टार्टअप या छोटे व्यवसायों को शुरू करने और उनकी सफलता के लिए जरूरी मैनेजमेंट की शिक्षा भारत समेत पूरे विश्व में बहुत महंगी है, इस कारण यह अधिकतर लोगों के लिए कठिन हो जाता है।अनेक कंपनियां उन्ही स्नातक और परास्नातक को नौकरी आफर करना पसंद करते हैं। जो "मैनेजमेंट स्किल्स" में पारंगत हैं क्योंकि यह उनकी व्यावसायिक जरूरतों के लिए फायदेमंद होता है। मैनेजमेंट स्किल्स की आवश्यकता हर कहीं होती है। यह वास्तव में व्यवसाय के हित में सुधार लाता है और देश के आर्थिक विकास में मानव पूंजी का योगदान देता है। सेमिनार में महाविद्यालय के उप प्रबंधक श्री मुकुल पांडेय, प्राचार्य डॉ. विजय शंकर मिश्र, बाल विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डुमरी की प्रधानाचार्या श्रीमती नीता त्रिपाठी तथा सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहे।

पाण्डेयपुर चौकी प्रभारी हर्षमणि तिवारी ने अभियुक्त मकसूद आलम उर्फ पिन्टू को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। तेज तर्रार दरोगा जो की जब से चौकी प्रभारी बने है तब से लेकर आजतक जहां -जहां रहे हमेशा गरीब असहायों की मदद करते रहे` पाण्डेयपुर चौकी प्रभारी हर्षमणि तिवारी ने फैण्टम-55 के पुलिसकर्मियों के संग पाण्डेयपुर क्षेत्र से मकसूद आलम उर्फ पिंटू पुत्र अब्दुल मजीद वैरीवन पाण्डेयपुर निवासी को एनबीडब्ल्यू मे किया गिरफ्तार` चौकी प्रभारी हर्षमणि तिवारी के द्वारा बताया गया की अभियुक्त मकसूद आलम उर्फ पिन्टू को बीते दिनों 18 मार्च 2023 को कोर्ट ने 419, 420, 467,468,471,504,506आईपीसी की धारा में एनबीडब्लू जारी किया था जिसमें बहुत हीं खोजबीन किया गया जिसके बाद पाण्डेयपुर से मकसूद आलम उर्फ पिन्टू को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

अब तक माफियाओं के 15 सौ करोड़ की संपत्ति ध्वस्त व कुर्क की गई : एडीजी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर । जनपद पुलिस लाइन में पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव तथा आगामी त्यौहार के मद्देनजर वाराणसी जोन के एडीजी रामकुमार एक आवश्यक बैठक में आए और स्थानीय मुआयना कर स्थानीय पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, इस दौरान गाजीपुर के एसपी ओमवीर सिंह के साथ सभी पुलिस अधिकारियों समेत सभी थाना अध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान नगर निकाय चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शिता से संपन्न कराने का निर्देश देने के साथ ही जिले के अतिसंवेदनशील बूथों को लेकर चर्चा की साथ ही आगामी त्योहारों के मद्देनजर शांति सौहार्द और सुरक्षित व्यवहार मनाने को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि वाराणसी मंडल के अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ मंडल में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में इनके खिलाफ तकरीबन 15 सौ करोड़ की संपत्ति के खिलाफ ध्वस्तीकरण व कुर्क की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि चिन्हित माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में गेहूं की खड़ी फसल में लगी आग

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के खाजगीपुर गाँव स्थित पूरब सिवान में संदिग्ध परिस्थितियों में आगलगी की घटना हुई। जिससे खेत मे लगे गेहूं की खड़ी फसल आग की चपेट में आने से जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार खाजगीपुर गांव निवासी अशोक कुमार सिंह पुत्र स्व0 जगत हरण सिंह का गाँव के पूरब स्थित सिवान में खेत है ।जिसमे 13 विस्वा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई ।जैसे ही गेंहू की फसल में आग लगी लोग चीखने चिल्लाने लगे ।घरों से लोग बाल्टी डब्बे समर सेबुल पाइब लेकर खेत की तरफ दौड़ते तब तक देखते ही देखते आग की आगोस में 13 विस्वा गेहूं की फसल राख में तब्दील हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर फायर विग्रेड व पुलिस पहुची तब तक आग की गाल में गेहूं की फसल समा चुका था किसान अशोक कुमार सिंह ने बताया कि मेरे खेत के बगल में हार्वेस्टर से दूसरे किसान का गेहूं की फसल काटा गया था ।उसी के बगल में मेरा 13 विस्वा गेंहू मजदूरों द्वारा काटा जा रहा था, छोटे छोटे बच्चे कटे हुए खेत मे खेल रहे थे। अचानक खेत में आग लग गया जब तक वह लोग कुछ समझ पाते आग ने विकराल रूप ले लिया था। मेरे खेत मे लगे गेहूं की फसल में आग लगने के बाद । आसपास व पड़ोसियों ने खेतवा गांव के समीप मौजूद पानी के स्त्रोतों से संसाधन के माध्यम से अपने स्तर से आग बुझाने के भरसक कोशिश की बावजूद इसके फसल जल कर राख हो गया।

नियो क्लाउड सॉल्यूशन्स के सहयोग से बच्चों में वितरित हुई शिक्षण सामग्री

प्रखर कुशीनगर। सॉफ्टवेयर डेवलपर कम्पनी नियो क्लाउड सॉल्यूशन्स के सहयोग से मंगलवार को नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा हाटा विकास खंड स्थित ग्राम सभा भठही बाबू के जूनियर हाईस्कूल भठही राजा पर अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को पढ़ेगा भारत, बढ़ेगा भारत अभियान के अंतर्गत कॉपी, कलम, पेंसिल, रबर, कटर, जियोमैट्री बॉक्स इत्यादि शिक्षण सामग्री भेंट किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक प्रतिनिधि कुशीनगर रुद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से बड़ी से बड़ी समस्याओं का हल सम्भव है। ऐसे में बच्चों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध करा उन्हें पढ़ने हेतु प्रेरित करने का नियो और नयी दिशा का प्रयास सराहनीय है । नियो क्लाउड सॉल्यूशन्स के सलाहकार सुरेश प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज की बुनियाद है और हम एक बेहतर समाज के निर्माण हेतु संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि कम्पनी के लाभांश की एक निश्चित धनराशि समाज कल्याण में व्यय की जाती है, उसी क्रम में सीईओ रेनू सिंह के सुझाव पर यहां नयी दिशा के माध्यम से शिक्षण सामग्री वितरित हो रहा। श्री सिंह ने सभी बच्चों से मन लगाकर पढ़ने और शिक्षण सामग्री का समुचित उपयोग करने की बात कही। नयी दिशा अध्यक्ष प्रो0 सीमा त्रिपाठी ने बच्चों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने हेतु नियो परिवार को धन्यवाद दिया और आगे पूरे वर्ष बच्चों के संपर्क में बने रहते हुये शिक्षण सामग्री सम्बन्धी अन्य जरूरतों को पूरा करने की बात कही। डॉ0 रीना मालवीय ने बच्चों को नशा मुक्त रहने का सुझाव दिया। अतिथियों का स्वागत प्रधानाध्यापक प्रवीण राव, आभार ग्राम प्रधान सुभाष कान्दू व कार्यक्रम का संचालन नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह, वकील सिंह, डा0 सुनील सिंह, अमृतांशु सिंह, अनिकेत सिंह, राजन पांडेय, देवानंद धर दुबे, नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, कौशल जायसवाल, विनीत शुक्ला, विनोद कुमार शर्मा, राजीव कुमार सिंह, अखिलेश वर्मा, अमित कुमार सिंह, तेज प्रताप सिंह, मुरली मनोहर इत्यादि उपस्थित रहे।

गाजीपुर पुलिस ने किया विभिन्न थाना क्षेत्रों में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध व अप?ाधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर के कुशल निर्देशन मे थाना प्रभारी सादात द्वारा देखभाल क्षेत्र में मामूर थे कि जरिये मुखबीर सूचना पर समता डिग्री कालेज के आगे रेलवे क्रासिंग के पास मोड पर बहद ग्राम मरदापुर के पास से अभियुक्त अशरफ नट पुत्र मुमताज अहमद ग्राम निजामुद्दीनपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर को आज बुधवार को एक अदद देशी तमंचा एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ समय करीब 01.15 बजे सुबह भोर में गिरफ्तार किया गया। जिसके संबन्ध मे थाना सादात पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा रही है । बताते चले की अभियुक्त के खिलाफ थाना भावरकोल में आर्म्स एक्ट और गौ हत्या अधिनियम के अंतर्गत भी मुकदमा पंजीकृत है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष शैलेश कुमार मिश्र सादात, उप निरीक्षक कृष्णानन्द यादव सादात, कांस्टेबल सत्यम मिश्रा थाना सादात, गाजीपुर शामिल रहे। जबकि क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के कुशल निर्देशन में आज बुधवार को उप निरीक्षक कृष्ण प्रताप सिह चौकी प्रभारी शाहनिन्दा थाना मोहम्मदाबाद मय हमराही कर्मचारीगण के साथ देखभाल क्षेत्र व नगर पालिका चुनाव के दृष्टिगत कस्बा मुहम्मदाबाद मे भ्रमणशील थे कि मुखबिर खास ने आकर सूचना दिया कि एक व्यक्ति जो पहले भी चोरी मे जेल जा चुका है वह कोटिया चट्टी पर खड़ा है उसके पास नाजायज तमंचा है यदि जल्दी किया जाय तो पकडा जा सकता है, हमराही व कर्मचारीगणों के साथ जैसे ही कोटिया चट्टी पर पहुँचे पुलिस वालों को अचानक देखकर सड़क के किनारे खड़ा व्यक्ति भागने लगा। पुलिस द्वारा दौड़ाकर पकड़ लिये गये व्यक्ति से नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गयी तो अपना नाम जावेद अन्सारी पुत्र मेहरुल हुदा अन्सारी निवासी दर्जी मुहल्ला वार्ड नं0 9 कस्बा व थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर बताया जामा तलाशी से एक अदद देशी तमंचा तथा एक अदद जिन्दा कारतूस बरामद हुआ पकडे गये व्यक्ति को उसके किए गये जुर्म से अवगत कराते हुए समय 2.30 बजे रात्रि मे पुलिस हिरासत लिया गया तथा फर्द गिरफ्तारी बरामदगी के आधार पर आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक कृष्ण प्रताप सिह चौकी प्रभारी शाहनिन्दा थाना मोहम्मदाबाद, कांस्टेबल विमल कुमार थाना मोहम्मदाबाद, कांस्टेबल नवीन कुमार दुबे थाना मोहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

अब टीकाकरण कार्यक्रम को भी सुदृढ़ करेंगे सीएचओ

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए तीसरे बैच में प्रशिक्षित किए गए 63 सीएचओ

प्रखर पडरौना कुशीनगर। अब टीकाकरण कार्य को सुदृढ़ करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों(सीएचओ) को भी लगाया जाएगा। इसी उद्देश्य से सभी सीएचओ को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह बातें जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ.संजय गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा डब्ल्यूएचओ के सहयोग से नगर के एक होटल में बुधवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि अब सभी प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी टीकाकरण सत्र पर जाएंगे तथा टीकाकरण को सुदृढ़ करेंगे। सीएचओ सभी लोगों को पांच साल में सात बार नियमित टीकाकरण के महत्व को भी बताएंगे। सीएचओ केन्द्र पर जाकर आशा कार्यकताओं द्वारा बनाए गए ड्यू लिस्ट को देखेंगे। त्रुटि मिलने पर सुधार कराएंगे। कौन टीका किस बीमारी से बचाव के लिए कितने दिन पर लगाया जाता है , इसके बारे में अवगत कराएंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को खसरा, रूबेला, कालीखांसी, गलाघोंटू, पोलियो, दिमागी बुखार जैसी बीमारियों का सर्विलांस भी करना है। अभी तक सीएचओ ओपीडी के साथ केवल दो छाया वीएचएसएनडी सत्र पर जाते थे। अब सभी टीकाकरण सत्र पर जाकर मॉनिटरिंग करने के बाद ओपीडी भी करेंगे। उन्होंने कहा कि सर्विलांस के दौरान अगर कोई अचानक होने वाले लकवा, खसरा या रूबेला, गलाघोंटू, काली खांसी तथा नवजात टिटनेस लक्षण वाले बच्चे दिखे तो तत्काल जिला प्रतिरक्षण अधिकारी और डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर को रिपोर्ट करेंगे। डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर डॉ.अनिल के अंकुर ने नियमित टीकाकरण तथा वैक्सीन से नियंत्रित की जाने वाली बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि 15 साल से कम उम्र का कोई भी बच्चा जिसका कोई भी अंग किसी कारण से अचानक लुंज पुंज या कमजोर हो गया हो, किसी व्यक्ति को बुखार के साथ चकत्ते जैसे दाने हो, किसी व्यक्ति को बुखार, गले में दर्द, टॉन्सिल का लाल होना या खांसी के साथ आवाज भारी होने जैसी शिकायत मिले तो त्वरित सूचना देनी है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि जिले में करीब 160 सीएचओ तैनात हैं, इनमें से तीन बैच में 156 सीएचओ को प्रशिक्षित किया जा चुका है, शेष अन्य सीएचओ को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। इस अवसर पर डब्ल्यूएचओ के प्रशासनिक सहायक विनय और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण में मिली मॉनिटरिंग की जानकारी- प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पड़री पिपरपाती सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अजय कुमार सिंह (34) ने बताया कि प्रशिक्षण में नियमित टीकाकरण और सर्विलांस के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक अब सत्र पर जाकर आशा द्वारा तैयार किए जा रहे ड्यू लिस्ट को भी देखना है। गलती मिलने पर सुधार कराना है। बीमारी से बचाव के बारे में भी जानकारी मिली। अब तक ओपीडी और एनसीडी स्क्रीनिंग के अलावा दो छाया वीएचएसएनडी सत्र पर जाकर मॉनिटरिंग करते थे लेकिन अब सभी सत्रों पर जाकर मॉनिटरिंग करनी है।

आवारा पशुओं के आतंक की खबर को प्रशासन ने लिया संज्ञान

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र में घूम रहे मवेशियों की खबर प्रखर पूर्वांचल ने " आवारा साड के आतंक से ग्रामीण भयभीत, जिम्मेदार मौन के नामक शीर्षक से बुधवार को प्रकाशित किया।खबर प्रकाशित होते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया।जिसे देखते हुए नरहन व सरायबीरु के आस पास घूम रहे आवारा मवेशियों को खुद खण्ड विकास अधिकारी कृष्ण मोहन यादव मौके पर पहुंच अधिकारी व ग्राम प्रधान की मदद से मवेशियों को पकड़ ट्राली में भर उन्हे नजदीकी गौशाला में भेजवा दिया गया।मवेशियों को प्रशासन द्वारा पकड़कर गौशाला भेजते देख लोगो ने राहत की सांस ली। बता दे कि छुट्टा मवेशी चिलचिलाती धूप में अपनी प्यास बुझाने के लिए गांवो के अंदर का रुख कर रहे है।चिलचिलाती धूप व गर्मी की बढ़त से छुट्टा मवेशीयों में बौखलाहट काफी दिख रही है जिससे आये दिन सांडों व गायों द्वारा ग्रामीणों को दौड़ाते व मारते देखा जा रहा है।अकेले सरायबीरु ग्राम में मवेशियों द्वारा लगभग आधा दर्जन लोगों को घायल कर चुका है।आवारा मवेशियों को पकड़ने वालो में सहायक विकास अधिकारी जैसयादव,सचिव सरला गौड़,ग्राम प्रधान नरहन मीरा यादव व सरायबीरु ग्राम प्रधान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानाध्यापक जीतेंद्र सिंह के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई

प्रखर दानगंज वाराणसी। यूपी सरकार की मंशा के अनुरूप प्राथमिक विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाले जाने का पूरे प्रदेश में अभियान चल रहा है। जिसके तहत प्राथमिक विद्यालय दानगंज प्रथम माध्यमिक विद्यालय दानगंज द्वितीय एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय दानगंज के अध्यापको व अभिभावको ने बच्चो संग स्कूल चलो अभियान रैली निकाली। रैली में प्रधानाध्यापक जितेंद्र सिंह, प्रशांत सिंह, अर्चना उषादेवी, देवेंद्र, राजकुमार, साधना, प्रीति, प्रतिमा, मोनिका, श्यामबली, गणेश, भरत सोनकर,सुनीता बबलू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास में फर्जीगिरी, जांच टीम हुई गठित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के उदपुर गांव में प्रधानमंत्री आवास के नाम पर फर्जीगिरी कर लाखो रुपये की हेराफेरी करने का आरोप लगाते हुए बुजुर्ग ने एसडीएम व बीडीओ से न्याय की गुहार लगाई है। एसडीएम पिंडरा व बीडीओ पिंडरा को दिए शिकायती पत्र में पीड़ित गुलाब शर्मा ने आरोप लगाया कि उनके नाम से 2017 में प्रधानमंत्री आवास मिला था। लिस्ट में भी नाम था और बैंक में खाता भी खुलवाया गया। लेकिन तत्कालीन ग्राम प्रधान को 50 हजार रुपए घुस न देने पर उसने मेरे ही नाम से दूसरे गुलाब रावत के खाते भेज दिया गया। जिसके लिए गत 2019 से लगातार शिकायती पत्र देता रहा लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नही हुई। यही नही ब्लॉक के लिस्ट में आज भी गुलाब शर्मा का नाम है गुलाब रावत के खाते में ब्लॉक कर्मियों के मिली भगत से धनराशि जाने का भी पीड़ित ने आरोप लगाया। इस बाबत बीडीओ दीपकंर आर्य ने बताया कि शिकायती पत्र मिला। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लगने पर तीन सदस्यी जनकजी टीम गठित कर दी गई है।

कैंसर पीड़ित युवक ट्रेन के सामने कूदा, मौत

वाराणसी। मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के लहरतारा में ट्रेन के सामने कूदकर एक युवक ने जान दे दी। पुलिस के अनुसार जौनपुर जिले के मछलीशहर थाना क्षेत्र के घघरिया गांव का रहने वाला दिलीप कुमार (32) पुत्र रामलखन कैंसर हॉस्पिटल में अपने भाई वीरेंद्र के साथ कीमोथेरेपी के लिए आया हुआ था। आशंका है की कैंसर की बीमारी से दुखी और परेशान दिलीप ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दी है।

एटीएम की हेराफेरी कर खाते से पैसा उड़ाने वाला चोर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा अपराध एवं अपराधियों प्रभावी नियन्त्रण हेतु दिये गये दिशा निर्देश के अनुपालन एवं पुलिस अधीक्षक नगर गाजीपुर, क्षेत्राधिकारी सैदपुर महोदय के कुशल पर्वेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक सैदपुर, उप निरीक्षक रामकुमार दुबे मय थाना सैदपुर पुलिस टीम द्वारा गत सोमवार को अभियुक्त पंकज यादव पुत्र नन्हकू यादव निवासी ग्राम हमजापुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र 25 वर्ष को 04 एटीएम कार्ड व एक अदद नाजायज तमन्चा 315 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतूस के साथ घटनास्थल यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एटीएम वहद कस्बा सैदपुर थाना सैदपुर, जनपद गाजीपुर के पास से समय साढ़े छह बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त पंकज यादव उपरोक्त के अपराधिक इतिहास की जानकारी कर अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध जनपद जौनपुर मे अभियोग पंजीकृत होना पाया गया। गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर शस्त्र अधिनियम का अभियोग भी पंजीकृत किया गया है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक वन्दना सिंहथाना सैदपुर, उप निरीक्षक रामकुमार दुबे थाना सैदपुर, कांस्टेबल दुर्गेश तिवारी- थाना सैदपुर, हेड कांस्टेबल यशवन्त सिंह, राकेश सरोज- थाना सैदपुर, कांस्टेबल गौरव सिंह- थाना सैदपुर गाजीपुर शामिल रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं